04 - मध्यप्रदेश : आज सात मई को नौ का फैसला!

05 - मीडिया की स्वतंत्रता : सारे धान पंसेरी के भाव मत तौलिये

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 07 मई, 2024

06- थम गया चुनावी शोर, आज ईवीएम में बंद होगा प्रत्याशियों के भाग्य का...

07- तीसरी बार मोदी जी के आगमन पर ऐतिहासिक धारानगरी...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 200 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पश्चिम बंगाल में भाजपा को बंगाली बनने की जरूरत है

मोनीदीपा बनर्जी

जब तक दिल्ली भाजपा के नेता बंगाली में सिर्फ सांकेतिक शब्दों से आगे बोलना नहीं सीख जाते और बंगाली लोकाचार, संवेदनशीलता और हास्य की समझ विकसित नहीं करते, मैं पार्टी को इस राज्य में कोई खास प्रभाव डालते नहीं देख पाऊंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दीदी ओ दीदी' टिप्पणी भाषा से परे चली गई और भाजपा के लिए नकारात्मक साबित हुई। हालांकि, राष्ट्रीय भाजपा नेताओं द्वारा की गई अन्य टिप्पणियां बंगाल के लोगों के लिए अनुवाद में खो जाती हैं।

'घुसपैठिए' या 'तुष्टीकरण' जैसे शब्द यहां बहुत कम सुनाई देते हैं, न ही 'मंगलसूत्र' या अमित शाह की नवीनतम 'मुल्ला, मदरसा, माफिया' लाइन जैसे वाक्य, जो ममता बनर्जी के हस्ताक्षर 'मां, माटी, मानुष' नारे का बिगड़ा हुआ रूप है। बंगाल में इस्लामी शिक्षकों या धार्मिक नेताओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द 'इमाम' है; मदरसों को वैध शैक्षणिक संस्थान की मान्यता प्राप्त है और जबकि 'माफिया' अंग्रेज़ी शब्द है, यह स्थानीय राजनीतिक भाषा का हिस्सा नहीं है। भाजपा नेताओं द्वारा प्रयुक्त हिंदी शब्द बंगाली संदर्भ में उतना महत्व या अर्थ नहीं रखते।

चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं, बंगाली उत्तर भारत की मुख्यधारा से अलग हैं और अगर भाजपा वाकई बंगाल से 272 सीटों का आंकड़ा पार करना चाहती है, तो '400 पार' की बात तो दूर, पार्टी को अपनी रणनीति का भी फिर से मूल्यांकन करना पड़ेगा। अभी भी वक्त है. 2024 के चुनाव में पांच चरण बाकी हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि मुख्यमंत्री बनर्जी सुनिश्चित करती हैं कि वे बातचीत को स्थानीय भाषा में करें। बजाय घुसपैठिये और तुष्टीकरण जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने के, वे मंगलसूत्र की तुलना में स्कूल जॉब घोटाले के बारे में अधिक आसानी से बात करेंगी। वे घरों और नरेगा के पैसे के बारे में बात करेंगी, जिसके लिए वे भाजपा पर बंगाल के लोगों को वंचित करने का आरोप लगाती हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा साझा किए गए वोट प्रतिशत में अंतर पर विवाद कुछ ऐसा है जिसके बारे में वे बात करेंगी, लेकिन मुझे संदेह है कि कर्नाटक के प्रज्वल रेवन्ना कभी यहां राजनीतिक चर्चा में शामिल होंगे। वे इस मुद्दे को नहीं उठाएंगी क्योंकि इससे लोगों को संदेशखाली की याद आ जाएगी, लेकिन इसके अलावा भी, यौन उत्पीड़न बंगाल में बातचीत का विषय नहीं है।

लेकिन मैं शायद बहुत जल्दी बोल रही हूं. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप किस तरह से सामने आता है। राजभवन की एक कर्मचारी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई है. राज्यपाल ने इस आरोप को 'मनगढ़ंत कहानी' बताकर खारिज किया है और कहा है कि शायद कोई उन्हें बदनाम करके 'चुनावी लाभ' लेने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन ऊपर निकाले गए निष्कर्ष अचानक नहीं हैं। वे आंशिक रूप से कोलकाता में प्रतीची संस्थान के राष्ट्रीय शोध समन्वयक साबिर अहमद के विश्लेषण पर आधारित हैं, जिसके अध्यक्ष अमर्त्य सेन हैं। अहमद ने बंगाल में चार पार्टियों–टीएमसी, भाजपा, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के 2024 के चुनाव घोषणापत्र का अध्ययन किया। उनके विश्लेषण से यह बात सामने आईः टीएमसी ने 'महिला', 'शिक्षा' और 'स्वास्थ्य' शब्दों का सबसे ज्यादा बार ज़िक्र किया है, बीजेपी, कांग्रेस या सीपीआई (एम) से भी ज़्यादा बार।

बीजेपी के घोषणापत्र में 'महिला', 'नौकरी' और 'ग्रामीण' का ज़िक्र सबसे कम बार किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में 'अल्पसंख्यक', 'नौकरी' और 'गरीब' का ज़िक्र सबसे ऊपर है। सीपीआई (एम) के घोषणापत्र में 'भ्रष्टाचार' शब्द का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल किया गया है। सबसे ज़्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों की तुलना करने पर एक तथ्य सामने आता हैः भाजपा के विकल्प सबसे ज़्यादा पूर्वानुमानित हैं. वे हैं 'भारत', 'ग्लोबल', 'पीएम', 'गारंटी' और 'विस्तार।'

विश्लेषण में भाजपा के घोषणापत्र में संस्कृतनिष्ठ शब्दों को भी सूचीबद्ध किया गया है जिन्हें बंगाल के लिए विदेशी माना जाता है।

समस्या को ठीक करने के लिए भाजपा को दो कदम उठाने चाहिए। पहला है स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाना और उन्हें चुनावी मौसम में एजेंडा तय करने का अधिकार देना। पार्टी ने 2021 से सबक लिया है। विधानसभा चुनाव से पहले, यह सामने आया था कि स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार किया गया, जबकि बंगाल से बाहर के नेता, जिन्होंने कोलकाता में डेरा जमा लिया था, चर्चा में छाए हुए थे। सबसे ज़्यादा दिखाई देने वाले नेताओं में कैलाश विजयवर्गीय, अरविंद मेनन, बाबुल सुप्रियो (अब टीएमसी में), साथ ही भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और हिमंत बिस्वा सरमा शामिल थे।

दिलीप घोष जैसे स्थानीय नेता, जो उस समय राज्य में भाजपा इकाई के अध्यक्ष थे और 2019 में 18 सीटों पर जीत के सूत्रधार थे, पार्टी से बाहर हो गए और दबाव में थे। सुवेंदु अधिकारी अभी-अभी पार्टी में शामिल हुए थे। इसलिए, 'बाहरी लोगों' का बोलबाला था। बंगाल की राजनीतिक संस्कृति और लोकाचार से अलग, चर्चा में उनका दबदबा विफल रहा और वे अमित शाह के '200 पार' के लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहे। इस बार कोलकाता आने वाले भाजपा पर्यवेक्षक लगभग अदृश्य हैं और यह जानबूझकर लिया गया फैसला था। बेशक, बड़े-बड़े नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन कोलकाता में तैनात और तार खींचने वाले पर्यवेक्षकों को रडार से दूर रहने की सलाह दी गई है। टीम में सुनील बंसल, मंगल पांडे, अर्का लाकड़ा और अमित मालवीय शामिल हैं. आखिरी वाले केवल एक्स पर हैं।

सुवेंदु अधिकारी को प्रमुख भूमिका दी गई है और उनकी कम से कम 30 सिफारिशों किए गए उम्मीदवारों को स्वीकार किया गया। गुटबाजी की खबरों के बीच, भाजपा के मौजूदा राज्य अध्यक्ष सुकांत मजूमदार अपनी जगह और शांति बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। यह सब बहुत अच्छा है, लेकिन राज्य में आने-जाने वाले राष्ट्रीय भाजपा नेताओं के लिए बंगाली में क्रैश कोर्स करना अच्छा रहेगा – वास्तव में बंगाली की सभी चीज़ें, रसगुल्ला और अमी तोमाके भालोबाशी जैसी रूढ़ियों से परे हैं। इसमें होदोल कुटकुट जैसे शब्द सीखना और सत्यजीत रे के पिता सुकुमार रे की बकवास कविताओं की बेहतरीन किताब अबोल-ताबोल का थोड़ा सा हिस्सा शामिल है।

अच्छे उपाय के तौर पर, खासतौर पर इस गर्मी में कुछ लोंका भाजा और आलू भोर्ता के साथ पान्ताभात का थोड़ा सा हिस्सा भाजपा को बंगाली बनाने और बंगाल जीतने का मौका देने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आज तीसरे चरण की वोटिंग: मतदान केंद्रों में पहुंचे दल, अब तक 1433 एफआईआर

सीईओ अनुपम राजन बोले, भिंड-मुरैना सर्वाधिक संवेदनशील, सभी पोलिंग में वेबकास्टिंग

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए चुनावी शोर थमने तक प्रदेश में 1433 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इसमें कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले लोगों पर भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। मंगलवार को होने वाले मतदान के लिए ग्वालियर चंबल संभाग के जिलों खासतौर पर मुरैना और भिंड के शत प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के जरिये चुनाव आयोग मतदान पर नजर रखेगा। यहां हर चुनाव में होने वाली हिंसा के मद्देनजर सुरक्षा प्रबंधों पर भी खासा फोकस किया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) अनुपम राजन ने पत्रकारों से चर्चा में यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में 20456 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें से 16011 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग कराई जा रही है जो कुल मतदान केंद्रों का अस्सी प्रतिशत है। इसके पहले दो चरणों के चुनाव में मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग का प्रतिशत 65 से 70 प्रतिशत तक ही रहा है पर इस बार 80 प्रतिशत तक मतदान केंद्रों को इससे कवर किया गया है। इन मतदान केंद्रों पर छाया और गर्मी व लू से बचाव के इंतजाम भी किए गए हैं ताकि लोगों को गर्मी के कारण परेशानी न हो। लाइन लंबी होने की स्थिति में छायादार स्थानों पर बैठने की भी व्यवस्था कलेक्टरों न की है ताकि लोग वोट डालने में पीछे न हटें।

19 जिलों की 72 विधानसभा में होगा चुनाव

सीईओ राजन ने कहा कि तीसरे चरण में शामिल 9 लोकसभा सीट के चुनाव के लिए 19 जिलों की 72 विधानसभा में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए पोलिंग पार्टी के मतदान केंद्रों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है और शाम तक सभी मतदान दल मतदान केंद्रों में पहुंचकर आज कराए जाने वाले मतदान की व्यवस्था कर लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में वोटिंग होन है उनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, देवास, भोपाल, राजगढ़, आगर मालवा, बैतूल, हरदा, खंडवा जिले शामिल हैं।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ नीट के गलत पेपर बंटे, लीक का आरोप

एनटीए बोला- कुछ बच्चे समय से पहले सेंटर से भागे, बिहार से 9 सॉल्वर अरेस्ट

नईदिल्ली/जयपुर/रायपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सवाई माधोपुर के बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर मानटाउन में नीट के पेपर के दौरान हंगामा हो गया था।

सोशल मीडिया पर स्टूडेंट्स और कुछ पॉलिटीशियन ने नीट यूजी एग्जाम का पेपर लीक होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट करके इसके लिए सरकार को जिम्मेदार बताया। इन सबके बीच परीक्षा कराने वाली संस्थान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कहा- पेपर लीक होने के आरोप गलत है।

एनटीए ने कहा- गलत पर्चा बंटा था, जिसे लेकर छात्र भागे थे- एनटीए की सीनियर डायरेक्टर साधना पराशर ने बताया- सवाई माधोपुर के गर्ल्स हायर सेकेण्डरी मॉडल स्कूल में गलत क्वेश्चन पेपर बांट दिया गया था। हिंदी मीडियम के स्टूडेंट्स को अंग्रेजी मीडियम का पेपर दे दिया गया, जिससे स्टूडेंट्स परेशान हो गए। इंविजिलेटर्स की कोशिशों के बावजूद कई

स्टूडेंट्स एग्जाम सेंटर से पेपर लेकर भाग गए। इनमें से ही किसी ने पेपर वायरल किया होगा। हालांकि तब तक पेपर शुरू हो चुका था, इसलिए इसे पेपर लीक नहीं माना जाएगा। इस गड़बड़ी के कारण 120 लड़कियां प्रभावित हुई हैं, जिनके लिए एनटीए जरूरी कदम उठा रहा है।

परिजन बोले-

- बच्चों के भविष्य का क्या होगा?

एग्जाम देने आई हिंदी मीडियम की छात्रा करीना ने रोते हुए बताया कि हम हिंदी मीडियम वाले स्टूडेंट्स को इंग्लिश मीडियम का पेपर दे दिया। विरोध करने मारपीट भी की गई। एग्जाम देने आए और भी स्टूडेंट्स ने बताया कि हमे इंग्लिश मीडियम का पेपर दे दिया और जब विरोध किया तो हमसे पेपर ले लिया गया। फिर 20 मिनट बाद वापस वो ही पेपर दे दिया और कहा गया कि यही पेपर करना पड़ेगा। परिजनों ने बताया कि बच्चों को पेपर देने में तो गड़बड़ी की ही, साथ ही बच्चों को पीटा भी गया। सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।

बिहार में 9 सॉल्वर अरेस्ट

बिहार में नीट की परीक्षा में सॉल्वर गैंग के 9 लोग गिरफ्तार हुए हैं। ये दूसरे के बदले परीक्षा दे रहे थे। पटना पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 मेडिकल स्टूडेंट हैं। वहीं पूर्णिया से भी 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

झारखंड में ईडी की कार्रवाई पर ओडिशा में बोले पीएम मोदी

पड़ोसी राज्य में नोटों का पहाड़ मिल रहा

नबरंगपुर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से झारखंड में भारी मात्रा में नकद जब्त किए जाने का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में एक चुनावी रैली में की। ओडिशा के नबरंगपुर में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई की कुछ लोग सराहना कर रहे हैं तो कुछ लोग इस भ्रष्टाचार और लूट को रोकने की आलोचना कर रहे हैं।

पीएम ने कहा, आज, पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिला है। लोग कह रहे हैं कि चोरी हो गया और माल पकड़ रहा मोदी वहां। अब आप ही बताइए, यदि मैं उनकी चोरी रोकूंगा, उनकी आमदनी बंद कर दूंगा, उनकी लूट बंद कर दूंगा तो वे मोदी को गाली देंगे नहीं देंगे तो और क्या करेंगे। पीएम ने चुनावी सभा में कहा, क्या गालियों के बावजूद मुझे यह काम नहीं करना चाहिए? क्या मुझे आपके पैसों की रक्षा नहीं करनी चाहिए। पीएम ने यह प्रतिक्रिया सोमवार को ईडी की ओर से झारखंड की राजधानी रांची में की गई बड़ी कार्रवाई के बाद दी है। सोमवार को केंद्रीय एजेंसी ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक के आवास से 20 करोड़ रुपये जब्त किए। सोमवार की सुबह रांची में कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की।

शहीद विक्की पहाड़े को गार्ड ऑफ ऑनर से अंतिम विदाई

छिंदवाड़ा (नप्र)। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े का अंतिम संस्कार छिंदवाड़ा के पातालेश्वर मोक्षधाम में किया गया। मुखाग्नि शहीद के 5 साल के बेटे हार्दिक ने दी। इससे पहले, एयरफोर्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

सेना के हेलिकॉप्टर से उनका पार्थिव शरीर नागपुर से सुबह 10.30 बजे इमलीखेड़ा हवाई पट्टी (छिंदवाड़ा) लाया गया। गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद विशेष वाहन से पार्थिव शरीर को परासिया रोड से उनके गृह ग्राम नोरिया करबल ले जाया गया। नोरिया करबल से अंतिम यात्रा पातालेश्वर मोक्षधाम पहुंची। यहां रिश्तेदार ने बेटे को गोद में लेकर विधि-विधान से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई।

इससे पहले छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने उनकी मां दुलारी से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें अपने बहादुर जवान और सेना पर गर्व है। जिन्होंने यह कायराना हरकत की, उन्हें कीमत चुकाना पड़ेगी।

परिवार को एक करोड़ की मिलेगी सहायता राशि

सीएम डॉ. मोहन यादव ने एएसआई महेंद्र बागरी के परिवार को एक करोड़ की सहायता राशि देने की बात कही है। साथ ही परिवार के सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रस्ताव को मंजूरी के लिए चुनाव आयोग को भेजेगी।

पति की शहादत पर पत्नी रीना पहाड़े ने कहा, मुझे गर्व है...। वे 5 साल के बेटे हार्दिक को गोद में लिए हुए थीं, इतना कहकर उनके आंसू नहीं रुके। सब इंस्पेक्टर बहन गीता ने कहा, मुझे भाई पर गर्व है। पुंछ में 4 मई की शाम एयरफोर्स के जवानों पर आतंकी हमला हुआ था। 5 जवान घायल हुए थे। सभी को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 4 मई की देर रात विक्की पहाड़े का निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को रविवार रात 7.30 बजे जम्मू एयरपोर्ट से विशेष विमान के जरिए नागपुर एयरपोर्ट लाया गया था।

कांग्रेस ने अशोक गहलोत और भूपेश बघेल को रायबरेली-अमेठी का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट के लिए सीनियर ऑब्जर्वर की नियुक्ति की है। इसके लिए राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को चुना गया है। गांधी परिवार की परंपरागत सीट रायबरेली से इस बार राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, अमेठी से पार्टी ने किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया है। सीनियर ऑब्जर्वर बनाए गए भूपेश बघेल भी छत्तीसगढ़ राज्य की राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट पर नड्डा, अमित मालवीय और विजयेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज- भाजपा के नेशनल प्रेसिडेंट जेपी नड्डा, आईटी सेल के हेड अमित मालवीय और कर्नाटक बीजेपी के प्रेसिडेंट बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एफआईआर दर्ज कराई है। सभी पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विशेष उम्मीदवार को वोट नहीं देने के लिए एससी और एसटी वोटर्स को भड़काने का आरोप है।

सुप्रभात

हम सभी के बीच मौजूद रहता है
एक पुराना घर,
जो दिखता है अक्सर सपनों में,
जिसके सामने से गुज़रने की
इच्छा होती है कई बार,
यह जानते हुए भी कि
अब वह मुहल्ला वैसा नहीं रहा
वहां अब वह घर भी नहीं है
मगर उस गली से गुज़रने की
तमन्ना रहती है हर बार
हमारे बीच मौजूद रहता है
उस घर का
हर एक अक़्स,
मौजूद रहता है कोई कोना
जहां बैठकर सीखी थी
ज़िन्दगी की बारहखड़ी,
हमारे बीच मौजूद रहती है
वहां लिखी कोई कविता।

घर बदलते रहते हैं,
बड़े और बड़े होते जाते हैं
घर के कोने बनते रहते हैं नित नए
कविताएं भी लिखीं जाती हैं
कई – कई
मगर हर बार लौटकर
सामने आता है
वही घर,
वही कोना,
वही कविता।

– आशीष दशोत्तर

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 07 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दिल्ली में खौफनाक वारदात, सरेआम चाकू से रेता गला, मरने के बाद भी छलनी करते रहे लाश

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में रविवार शाम एक युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नाजिर इलियास उर्फ नन्ने के रूप में हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को नाजिर मृत हालत में मिला जहां से उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्ट्म के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों ने खून के धब्बों इत्यादि समेत मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय लोगों से पूछताछ की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है। शुरुआती जांच में पुलिस ने आपसी रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। यह भी पता चला है कि नाजिर व उसके तीन भाई इलाके के घोषित बदमाश हैं। ऐसे में रंजिशन हत्या की आशंका और बढ़ जाती है। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ करते हुए मामले की हर कोण से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नाजिर खुद अपने एक भाई की हत्या के मामले में गवाह भी था। मिली जानकारी के मुताबिक, नाजिर परिवार के साथ चौहान बांगर, अखाड़े वाली गली में रहता था। इसके परिवार में पांच भाइयों के अलावा अन्य सदस्य हैं। नाजिर के तीन भाई इलाके के घोषित बदमाश है। रविवार शाम करीब 06.45 बजे नाजिर स्कूटी से अपने घर से करीब 250 मीटर दूर स्थित मंगला अस्पताल वाली गली में पहुंचा था।

केजरीवाल ने क्या आतंकी संगठन से लिए 16 मिलियन डॉलर

एलजी ने की एनआईए जांच की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल ने बैन किए गए आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से पॉलिटिकल फंडिंग ली है।

एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया की शिकायत आई थी, जिसमें कहा गया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी आतंकी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133 करोड़ रुपए लिए थे, ताकि देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई कराई जा सके। इस शिकायत के आधार पर एलजी ने यह सिफारिश की है।

एलजी ऑफिस की तरफ से गृह मंत्रालय के नाम लिखा गया लेटर...

शिकायत में दावा- केजरीवाल ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 133 करोड़ रुपए लिए।

इस लेटर में लिखा है कि 1 मई को एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया ने एक शिकायत भेजी थी। इसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आम आदमी पार्टी के पूर्व कार्यकर्ता डॉ. मुनीष कुमार रायजादा के कुछ पोस्ट का प्रिंटआउट, एक लेटर और एक पेनड्राइव भी थी। अपनी शिकायत में आशू मोंगिया ने पेनड्राइव के एक वीडियो का जिक्र किया था, जिसमें खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस का फाउंडर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने यह दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133.60 करोड़ रुपए की फंडिंग ली है।

इसमें यह दावा भी किया गया था कि 2014 में केजरीवाल ने न्यूयॉर्क के गुरुद्वारा रिचमंड हिल में खालिस्तान समर्थक सिखों से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में केजरीवाल ने वादा किया था कि अगर आम आदमी पार्टी को खालिस्तानी समूहों से फंडिंग मिलती रहेगी तो वे देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई में मदद करेंगे।

कन्नियाकुमारी तट के पास 5 मेडिकल छात्र समुद्र में डूबे

कन्नियाकुमारी (एजेंसी)। तमिलनाडु के कन्नियाकुमारी तट के पास 5 मेडिकल छात्र समुद्र में डूब गए। घटनाओं के एक दुखद मोड़ में, पांच मेडिकल छात्र, जो एक शादी में शामिल होने के लिए कन्नियाकुमारी गए थे, सोमवार को तमिलनाडु में शहर के तट के पास समुद्र में डूब गए। पीड़ित, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल थीं, अपने पाठ्यक्रम के अंतिम सप्ताह में थे।

बस में घुसी स्कॉर्पियो, 5 की मौत

खेतड़ी (झुंझुनूं) (एजेंसी)। झुंझुनूं के सिंघाना में बाइक को टक्कर मारने के बाद बेकाबू हुई स्कॉर्पियो मिनी बस से जा भिड़ी। जबरदस्त भिड़ंत में 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, बस में सवार 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा थली गांव के पास सोमवार सुबह 10.30 बजे हुआ। सिंघाना थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया- बाइक को टक्कर मारने के बाद एसयूवी सामने से आ रही बस में घुस गई।

क्या चीन में फिर फैलने वाली है महामारी? अस्पतालों में आईसीयू बेड बढ़ाने की सिफारिश

कोविड से सबक लेते हुए चीन में एजेंसियों ने आईसीयू बेड बढ़ाने पर दिया जोर

शंघाई (एजेंसी)। चीन में कोरोना महामारी ने हाल ही में भारी तबाही मचाई थी। देश में इस महामारी के कारण हजारों लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, अब चीन ने महामारी से हुई मौतों से सबक लिया है। चीन की कई एजेंसियों ने सोमवार को देश में आईसीयू बेडों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। एजेंसियों ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि देश में आईसीयू बेडों की संख्या साल 2025 तक प्रति 100,000 लोगों पर 15 और साल 2027 तक 18 तक होनी चाहिए।

चीन में कम है आईसीयू बेड

चीन ने हाल ही के समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के हिस्से के रूप में आईसीयू बेडों की संख्या को कुछ हद तक बढ़ाया है। हालांकि, देश की जनसंख्या को देखते हुए चीन को इस मामले में आलोचना का सामना करना पड़ता है। कई आलोचकों का कहना है कि देश की स्वास्थ्य प्रणाली अभी भी कम संसाधनों वाली है। चीन की कई एजेंसियों ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी किया। अपनी सिफारिश में एजेंसियों ने कहा कि 2025 के अंत तक देश में प्रति 100,000 लोगों पर आईसीयू बेडों की संख्या 15 और 2027 के अंत तक इसकी संख्या 18 होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग सहित कई एजेंसियों ने अपनी सिफारिश में अस्पताल के बिस्तरों की संख्या भी बढ़ाने पर जोर दिया। एजेंसी ने कहा कि साल 2025 तक आईसीयू में परिवर्तनीय क्षमता वाले बेडों की संख्या प्रति 100,000 लोगों पर 10 और 2027 तक 12 तक पहुंच जानी चाहिए।

इजरायल ने राफा पर शुरू किया हवाई हमला, हमास ने बताया खतरनाक, बोला- वार्ता नहीं करेंगे

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी के राफा पर हवाई हमला शुरू कर दिया है। राफा के कई इलाकों में विस्फोट की आवाजें सुनी गई हैं। हमले से पहले इजरायली सेना ने फिलिस्तीनियों को राफा को खाली करने को कहा था। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा था कि वह राफा से 1 लाख लोगों को निकालने के लिए तैयार हैं। इजरायली सेना के आदेश के बाद बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों को अपना घर-बार छोड़कर जाते हुए भी देखा गया। हालांकि, गाजा पर शासन चला रहे हमास ने इस हमले को लेकर इजरायल को चेतावनी दी है। हमास ने कहा है कि इजरायली सेना का राफा पर हमला और वहां से फिलिस्तीनियों को निकालना तनाव में एक खतरनाक वृद्धि है। यह पहले से ही तनावपूर्ण बंधक वार्ता को बाधित कर सकता है।

हमास बोला- बंधक रिहाई वार्ता नहीं करेंगे

हमास के प्रमुख वार्ताकारों में शामिल सामी अबू जुहरी ने अमेरिका के साथ इज़राइल के गठबंधन का जिक्र करते हुए बताया, कब्जे के साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन भी इस आतंकवाद की जिम्मेदारी लेता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह खतरनाक वृद्धि है जिसके परिणाम होंगे। वाल्ला के बराक रविद ने एक्स पर पोस्ट किया कि हमास ने चेतावनी दी है कि बंधक वार्ता को निलंबित किया जा सकता है। मिस्र लगातार कतर के साथ मिलकर बाकी 132 बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत की मध्यस्थता कर रहा है, लेकिन इसका कोई परिणाम नहीं निकला है।

चुनाव जीतीं तो फिल्म इंडस्ट्री छोड़ देंगी कंगना रनोट

मंडी (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट लोकसभा चुनाव की टिकट मिलने के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब कंगना ने खुद ये ऐलान कर दिया है कि अगर वो मंडी से चुनाव जीत जाती हैं तो

फिल्मों में काम करना हमेशा के लिए बंद कर देंगी। हाल ही में कंगना रनोट एक चुनावी रैली का हिस्सा बनी थीं। रैली के बाद कंगना रनोट ने आज तक के सवाल पर कहा है, मैं फिल्मों में भी पक जाती हूं, मैं रोल भी करती हूं और फिल्मों का निर्देशन भी करती हूं। अगर मुझे राजनीति में संभावना दिखती है कि लोग मुझसे जुड़ रहे हैं तो फिर मैं राजनीति ही करूंगी।

बाड़मेर में अचानक धंस गई जमीन

- 2 किमी लंबे इलाके में आई दरार, छोटे-बड़े गड्ढे हुए

बाड़मेर (एजेंसी)। बीकानेर के बाद अब बाड़मेर में करीब 2 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में जमीन धंसने से दरार आ गई है। मामला जिले के नागाणा में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन इलाके का है। यहां मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल के वेल पैड (तेल के कुएं) नंबर 3 से 7 के बीच धंसी जमीन और दरार देखकर लोग हैरान रह गए। जिला प्रशासन, क्रूड ऑयल कंपनी केयर्न

ऑयल एंड गैस, वेदांता लिमिटेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। जिला कलेक्टर निशांत जैन का कहना है कि टीमें मौके पर जांच कर रही हैं। जानकारी के अनुसार नागाणा इलाके में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन का काम 15 साल से चल रहा है। कंपनी के अलग-अलग वेल पैड बने हुए हैं। सोमवार सुबह ग्रामीण वेल पैड नंबर 3 के नजदीक से निकल रहे थे। इस दौरान उन्होंने उसके पास धंसी जमीन, गड्ढे और दरार देखने पर प्रशासन को सूचना दी।

तीसरा फेज, 11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग आज

- म.प्र.में मामा, महाराजा और राजा की किस्मत दांव पर; महाराष्ट्र में ननद-भौजाई मैदान में

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में आज मंगलवार (7 मई) को 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर वोटिंग होगी।

पहले इस फेज में 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटें थीं, लेकिन 21 अप्रैल को सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रद्द होने और 8 कैंडिडेट के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

वहीं जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम की वजह से अनंतनाग-राजौरी सीट का चुनाव टाल दिया गया है। अब यहां छठे फेज में 25 मई को वोट डाले जाएंगे।

इसके अलावा मध्य प्रदेश की बैतूल सीट से बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद सेकेंड फेज (26 अप्रैल) को होने वाली वोटिंग 7 मई को शिफ्ट कर दी गई।

मध्य प्रदेश की तीन सीटों- विदिशा से शिवराज सिंह चौहान (मामा), गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया (महाराजा) और राजगढ़ से दिग्विजय सिंह (राजा) की किस्मत दांव पर है।

इसके अलावा महाराष्ट्र की अमरावती सीट पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार यानी ननद-भौजाई के बीच सीधा मुकाबला है।

एमपी में चुनावी रैली में राहुल गांधी बोले-

भाजपा को 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी

- यह संविधान को बचाने का चुनाव, हम लोगों के अधिकार नहीं छीनने देंगे

आलीराजपुर/खरगोन (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा कि हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे ले जाएंगे। कोर्ट ने 50 प्रतिशत का लिमिट लगा रखा है, उसे हटा देंगे। राहुल गांधी सोमवार को मध्यप्रदेश के आलीराजपुर के जोबट और खरगोन के सेगांव में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। दोनों ही सभाओं में उन्होंने ये बात कही।

राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस संविधान खत्म करना चाहते है। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है। लेकिन 400 सीट तो छोड़िए, इन्हें 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

हम आरक्षण को बढ़ा देंगे,50 प्रतिशत से ज्यादा कर देंगे- राहुल गांधी ने कहा- मोदी जी आपका आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। उनके नेताओं ने साफ कहा है कि अगर हमारी सरकार आएगी। हम आदिवासियों से, दलितों से, पिछड़े वर्ग से आरक्षण छीन लेंगे, आरक्षण को खत्म कर देंगे। मैं आपको आज यहां ये बताने आया हूं, वो छीनने की बात कर रहे हैं। हम आरक्षण को बढ़ा देंगे। 50 प्रतिशत से ज्यादा कर देंगे। आज 50 प्रतिशत का लिमिट है। इस लिमिट को हम परे करके, 50 प्रतिशत लिमिट को रद्द करके, हम आपका रिजर्वेशन, गरीबों का रिजर्वेशन बढ़ाएंगे।

संविधान खत्म हुआ तो आपके अधिकार खत्म हो जाएंगे- राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को बदलना चाहते हैं। अगर संविधान खत्म हो गया तो जो अधिकार आपको मिले हैं, वे खत्म हो जाएंगे।

मंत्री पीएस के नौकर के घर मिला 25 करोड़ कैश

- ईडी ने झारखंड में 9 ठिकानों पर छापा मारा, पीएस के करीबी ठेकेदार के घर भी 3 करोड़ बरामद

ग्रामीण विकास मंत्री की होगी गिरफ्तारी!

रांची (एजेंसी)। झारखंड में ईडी की छापेमारी के बीच मंत्री आलमगीर आलम ने भी सफाई दी। आलमगीर आलम का कहना कि संजीव लाल पहले भी दो मंत्रियों के पीएस रह चुके हैं। वहीं करोड़ों रुपये कैश बरामदगी के बाद अब आलमगीर आलम की गिरफ्तारी की भी चर्चा तेज हो गई है।

झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने 9 जगह छापा मारा। ईडी को अब तक 28 करोड़ से ज्यादा कैश मिला है। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पर्सनल सेक्रेटरी (पीएस) संजीव लाल के नौकर जहांगीर, पीएस के करीबी ठेकेदार मुन्ना सिंह, रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट के इंजीनियर विकास कुमार और कुलदीप मिंज के घर रेड डाली गई। इसके अलावा 3 और ठिकानों पर छापा मारा गया। पीएस संजीव के नौकर जहांगीर के घर 25 करोड़ और करीबी मुन्ना के यहां 3 करोड़ से ज्यादा का कैश मिला है। ईडी की टीम ने नोट गिनने की मशीनें और कैश वैन बुलाई है। अबतक नोट गिनने की चार मशीनें घर के अंदर गई है। सूत्र बताते हैं कि पैसे इतने है कि गिनते गिनते मशीन गर्म हो रही है। दोपहर बाद एक और गाड़ी मशीन लेकर पहुंची है।

म.प्र.जबलपुर में ट्रैक्टर पलटने से पांच लोगों की मौत

सीएम मोहन यादव ने किया सहायता राशि का ऐलान

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोमवार को ट्रैक्टर पलटने से चार बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, दो घायल हुए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक चारगवा थाना क्षेत्र के तिनेटा में धर्मेंद्र ठाकुर की बहन की शादी थी और वह ट्रैक्टर से सामान लेने जा रहा था।

ऑनलाइन काउंसलिंग में पोर्टल में समस्याएं, दस्तावेज नहीं हो रहे अपलोड

इंदौर। स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू हो चुकी है। विद्यार्थियों को पंजीयन से लेकर दस्तावेज अपलोड करने में अधिक समय लग रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने पहली बार पंजीयन से पहले एकेडमी बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी, समग्र आईडी, ई-मेल, मूल निवासी, विधानसभा सहित कई जानकारी मांगी है। इसके बाद विद्यार्थियों को दस्तावेज अपलोड करना होता है। ये सारी प्रक्रिया पंद्रह से बीस मिनट में पूरी करना होती है। उसके बाद टाइम आउट होते ही पोर्टल बंद हो जाता है। कई बार छात्र-छात्राओं का पंजीयन पूरा नहीं हो पाता है। दोबारा ये प्रक्रिया करना पड़ती है। वहीं कई बार सर्वर में भी परेशानी आती है। 1 मई से उच्च शिक्षा विभाग ने 1 हजार 360 सरकारी-निजी कॉलेजों में संचालित 280 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। बीए, बीकॉम, बीसीए, बीएससी, बीबीए, एमए, एमकॉम, एमएससी सहित कई कोर्स में छात्र-छात्राएं में दिलचस्पी दिखा रहे है। प्रवेश प्रक्रिया के तहत पंजीयन के बाद विद्यार्थियों को दस्तावेज अपलोड करना है।

विद्यार्थियों को आ रही ये समस्याएं

छात्र अमित जैन के मुताबिक 12वीं सीबीएसई का रिजल्ट नहीं आया है। आवेदन के दौरान करियर प्रोस्पेक्टिव काम छोड़ दिया तो पंजीयन पूरा नहीं हुआ है। इसके चलते दस्तावेज भी अपलोड नहीं हुए।

दो-तीन हजार रुपये के विवाद में हुआ था हत्याकांड, आरोपियों की गुजरात में तलाश जारी

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में हुए दोहरा हत्याकांड में पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है। चार आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गुजरात में तलाश जारी है। आरोपियों ने दो-तीन हजार रुपये के विवाद में हत्या की है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह के मुताबिक मिस्त्री हरिराम और सुरेश की नेमावर स्थित ब्रिज के समीप लाश मिली थी। दोनों की डंडे और ईंट-पत्थरों से हत्या की गई थी। पुलिस ने सुरेश की भाभी से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि सुरेश 25 अप्रैल को घबराता हुआ चार लोगों को लेकर आया था। सुरेश ने दो-तीन हजार रुपये मांगे और कहा कि उसकी जान संकट में है।

मोबाइल लोकेशन के आधार पर तलाश जारी

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाले तो सुरेश चारों युवकों के साथ जाते हुए नजर आया। उनमें दो की पहचान रमेश और बादल के रूप में हुई है। दो अन्य की पहचान नहीं हुई लेकिन वे एक साथ गायब हुए हैं। एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक घटना के बाद चारों सूरत (गुजरात) भागे है। पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर चारों को तलाश रही है। पुलिस सुरेश की पत्नी से भी पूछताछ कर रही है जिसने घटना के तीन दिन पूर्व ही घर बदला है।

अक्षय बम के मुद्दे पर हाईकमान नाराज, देर रात भाजपा नेताओं की ली बैठक, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

इंदौर। भाजपा कार्यालय पर रविवार देर रात महत्वपूर्ण बैठक हुई। दिल्ली से बुलवाई इस बैठक में इंदौर जिले के सभी नौ विधायक, लोकसभा की पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में अक्षय बम के नामांकन पत्र वापस लेने और उनके भाजपा में शामिल होने, कांग्रेस की नोटा अपील और मतदान का

प्रतिशत बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। सभी विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। बताया जा रहा है कि हाईकमान ने अक्षय बम के मुद्दे पर नाराजगी जताई है। साथ ही पार्टी पदाधिकारी से कहा है कि वह कांग्रेस के नोटा अभियान को हल्के में न लें। देर रात तक चली इस बैठक में कुछ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

देर रात मिला मैसेज

बताया जा रहा है कि विधायकों को रविवार रात अचानक बैठक की सूचना दी गई। रात करीब 10 बजे से विधायकों के कार्यालय पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। गौरतलब है कि 29 अप्रैल को कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम नामांकन फार्म वापस लेने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा था कि भाजपा के लोग भी अब नोटा का बटन दबाने के बारे में पूछने लगे हैं।

नौकरी, गरीबी और आदिवासियों के शोषण पर भड़के राहुल गांधी

भाजपा की नीतियों को घेरा

इंदौर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आलीराजपुर जिले के जोबट में पहुंचे। उन्होंने यहां पर रतलाम लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया के समर्थन में सभा की। सभा में राहुल ने कहा कि भाजपा नेता ने एक आदिवासी युवक पर पेशाब किया, इसका वीडियो बनाया और पूरे देश को दिखाया। यहां कांतिलाल भूरिया के खिलाफ जो लड़ रहे हैं, उनके रिश्तेदार ने एक आदिवासी बेटी का बलात्कार किया। भाजपा वाले चाहते हैं कि आप आगे मत बढ़ो। ये आपकी जमीन छीनना चाहते हैं। आपको अपने जंगल, जल और जमीन की रक्षा करनी है।

राहुल ने कहा कि जितना पैसा मोदी ने 22 अरबपतियों को दिया है, हम उतना पैसा गरीबों को देने जा रहे हैं। हम आपके लिए एमएसपी पर कानून लाएंगे। जैसे ही सरकार आएगी हम सारे किसानों का कर्जा माफ कर देंगे। देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। हम भारत के सारे ग्रेजुएट को एक साल की नौकरी का अधिकार देने जा रहे हैं। इससे हर युवा के बैंक अकाउंट में हम एक लाख रुपए डाल देंगे। हम महालक्ष्मी योजना में गरीब परिवार की एक महिला को साल में एक लाख रुपए देंगे। ये पैसा हम तब तक देंगे, जब तक परिवार गरीबी से बाहर आ जाएगा। राहुल ने कहा यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है। भाजपा और आरएसएस इसे मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है। 400 सीट तो छोड़िए उनको 150 भी नहीं मिलेंगी। राहुल जोबट के बाद खरगोन लोकसभा क्षेत्र के सेगांव में जनसभा करेंगे। इस लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी का मध्यप्रदेश का ये तीसरा दौरा है। इससे पहले वे 8 अप्रैल को शहडोल और 30 अप्रैल को भिंड में सभा कर चुके हैं।

पटवारी ने कहा खुद को फकीर कहते हैं, करोड़ों के जहाज में घूमते हैं- पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा वे लोग खुद को फकीर कहते हैं और 8500 करोड़ के जहाज में घूमते हैं। 20 लाख का सूट पहनते हैं। हीरो-हीरोइन के साथ फोटो खिंचवाकर इवेंट करते हैं। वे राहुल को शहजादा कहते हैं जबकि राहुल किसान के साथ जाकर रोपाई करते हैं। मैकेनिक से मिलते हैं। राहुल हमेशा सिर्फ एक टीशर्ट पहनते हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नौकरियों पर निशाना साधा और कहा कि पीएम से युवाओं को पूछना चाहिए कि आप दो करोड़ युवाओं को नौकरी कब देंगे। कल आपके क्षेत्र में ही पीएम आ रहे हैं। आप उनसे ये सवाल जरूर पूछा कि नौकरी कब मिलेगी। पूरा झाबुआ मजदूरी के लिए पलायन कर जाता है। क्षेत्र से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने कहा कि इंदिरा गांधी ने कहा था, गरीबी हटाओ और राजीव गांधी ने पंचायत राज लाकर हमें अधिकार दिए। राहुल ने देशभर की यात्रा की। उन्होंने साढ़े चार हजार किमी चलकर हिंदुस्तान को जोड़ने का काम किया।

आदिवासी इस जंगल और जमीन के पहले मालिक हैं

राहुल बोले जाति जनगणना से आपको पता लग जाएगा कि आपकी आबादी कितनी है और देश की संस्थाओं में भागीदारी कितनी है। आदिवासी इस जंगल और जमीन के पहले मालिक हैं। आपको ये हक सबसे पहले मिलना चाहिए। हमने आपको पेसा कानून दिया। हम जो भी आपके लिए करते हैं, जैसे ही इनकी सरकार आती है, ये उसे रिवर्स करते हैं। इकॉनोमिक सर्वे होगा और सबको पता लग जाएगा कि इतनी आबादी है और इतना धन उनके पास है, इतनी संस्थाओं में उनके लोग हैं। हिंदुस्तान की सरकार 90 अफसर चला रहे। इनमें आदिवासी एक ही अफसर है। बजट में 100 रुपए का निर्णय लिया जाता है तो आदिवासी अफसर 10 पैसे का निर्णय लेते हैं। पब्लिक सेक्टर हो या रजिर्वेशन हो, जो भी आदिवासियों को पिछड़ों को मिलता है संविधान से मिलता है।

आचार संहिता के चलते इस बार लोगों को नहीं मिलेगी करों में छूट, शासन से नहीं मिले कोई निर्देश

इंदौर। आचार संहिता के चलते 11 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जनता को कर पर लगने वाले अधिभार में छूट नहीं मिल सकेगी। इंदौर निगमायुक्त शिवम दुबे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अब तक शासन स्तर पर इस संबंध में दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके पहले 11 फरवरी को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी आमजन को अधिभार पर छूट नहीं मिल सकी थी। गौरतलब है कि 23 दिसंबर 2023 को ई-पालिका पोर्टल हैक हो गया था। इसके बाद से इसमें गड़बड़ी चल रही है। हाल ही में यह पोर्टल चालू तो हुआ लेकिन पुराना डेटा रिकवर करने में दिक्कत आ रही है। पोर्टल पर पुराना रिकॉर्ड दिखाई नहीं पड़ने की वजह से बड़ी संख्या में करदाता अब तक पुराना कर जमा नहीं कर सकें हैं। उन्हें उम्मीद थी कि 11 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में उन्हें अधिभार पर छूट मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सकेगा। निगमायुक्त वर्मा ने बताया कि ई-पालिका पोर्टल का डेटा रिकवर करने की कोशिश लगातार चल रही है। हमने ऑनलाइन एंट्री का काम भी शुरू कर दिया है।

जल्द ही काम करने लगेगा ई- पालिका टू

निगमायुक्त ने बताया कि नए पोर्टल का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इसे ई-पालिका टू नाम दिया गया है। इसके काम करना शुरू करने के बाद रिकार्ड पूरी तरह से अपडेट हो जाएगा। किसी भी तरह की गलत एंट्री की गुंजाइश नहीं रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में देश के टॉप 10 एयरपोर्ट की सूची से बाहर हुआ इंदौर, कभी पहले स्थान पर था

इंदौर। सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रैंकिंग में देश के टॉप 10 एयरपोर्ट की सूची से बाहर हो गया है। इंदौर एयरपोर्ट 12 वें नंबर पर पहुंच गया है। 31 बिन्दुओं के सर्वे में से सभी 31 बिन्दुओं पर इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट के अंक कम हो गए हैं। इस सर्वे के बाद आई रिपोर्ट में गोवा देश का नंबर वन एयरपोर्ट बन गया है। जबकि चैन्नई एयरपोर्ट दूसरे और त्रिंची तीसरे स्थान पर है। बता दें कि यह रिपोर्ट हर तीन महीने में जारी की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार अब इंदौर एयरपोर्ट से देश के सिर्फ दो एयरपोर्ट अमृतसर और श्रीनगर एयरपोर्ट ही पीछे है। जबकि अन्य सभी एयरपोर्ट अब इंदौर एयरपोर्ट से आगे निकल गए हैं। गौरतलब है कि इंदौर एयरपोर्ट फरवरी 2023 के पहले देश में नंबर एक स्थान पर था।

पांच में से किसे कितने अंक मिले

गोवा और चेन्नई	4.90
त्रिची	4.89
वाराणसी	4.88
रायपुर	4.87
इंदौर	4.74

सभी बिन्दुओं पर कम हुए अंक

एयरपोर्ट अथॉरटी ऑफ इंडिया ने रविवार देर रात 2024 की पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) की रिपोर्ट जारी की है। इसमें जानकारी मिली है कि इंदौर एयरपोर्ट देश के 14 एयरपोर्ट में से 12 नंबर पर आ गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार इंदौर देश का एकमात्र ऐसा एयरपोर्ट है, जिसके सभी 31 बिन्दुओं में अंक कम हुए हैं। बताया जा रहा है कि पिछले साल की अंतिम तिमाही की तुलना में इंदौर एयरपोर्ट को सबसे अधिक 0.15 अंकों का नुकसान हुआ है। वहीं रैंकिंग गिरने पर इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि इस बार हमारे अंक कम हुए है इसे हम ठीक करेंगे।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया, बोले- किताबों में पूर्वजों की पूजा को भूत-पूजा बताई; धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के हीरानगर में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार को हंगामा किया। यहां बाबा रामपाल के शिविर में हिंदुओं के धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि जो किताबें बेची जा रही हैं, उसमें आपत्तिजनक बातें लिखी हैं। हंगामे के बाद पुलिस ने पुस्तक बेचने वालों पर धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने और उन्माद फैलाने का केस दर्ज किया है। हीरा नगर पुलिस ने बताया बजरंग दल के जिला संयोजक लोकेश सोलंकी की शिकायत पर धारा 295(A), 153(A) के तहत केस दर्ज किया है। लोकेश ने बताया वह सूचना पर अपने साथियों के साथ कनकेश्वरी ग्राउंड पहुंचे। यहां देखा कि कुछ लोग किताबें बांट रहे हैं। इसमें देवी देवाताओं और सनातन की परंपराओं, तीर्थ स्थानों को लेकर आपत्तिजनक बातें लिखी थीं। ज्ञान गंगा किताब में कई आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। शिव की पूजा करना और भूत पूजा, पितृ पूजा को मूर्खों की साधना बताया गया है। अन्य भी कई तरह की भ्रामक बातें हैं जिस पर आपत्ति दर्ज कराई गई।

अमेरिकी कोर्ट में सहमति से हुआ तलाक, भारत में ससुर पर गबन की एफआईआर

इंदौर। अमेरिका में हुए तलाक के बाद हाईप्रोफाइल परिवारों के मध्य चल रहा विवाद पुनः थाने पहुंचा है। सेवानिवृत्त आयकर कमिश्नर की बेटी ने तलाक के दो साल बाद ससुर पर गबन का केस दर्ज करवाया है। उसका आरोप है कि अमेरिका में अर्जित आय का तो आधा-आधा बंटवारा हो गया, लेकिन भारत में मिला स्त्रीधन ससुर के पास है। लंबी जांच और कानूनी सलाह के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की शिकायतकर्ता आकांक्षा जांभेकर समीट पाइंट स्क्रेनटन लेकवाना काउंटी पेनसिलवेनिया (यूएस) में रहती थी। तलाक के बाद लसूड़िया थाना अंतर्गत आने वाली कॉलोनी बसंत विहार (पुष्परतन पटेल) में पिता गिरीश जांभेकर (पूर्व कमिश्नर) के पास रहने लगी। आकांक्षा की रायगढ़ (महाराष्ट्र) में रहने वाले अवधूत शेंडेय से 20 जनवरी 2017 को शादी हुई थी। दोनों मल्टीनेशनल कंपनी में अमेरिका में नौकरी करते हैं। शादी के पांच साल में ही उनमें विवाद हुआ और आकांक्षा और अवधूत ने काउंटी के दीवानी न्यायालय में परिवाद दायर कर 25 मार्च 2022 को आपसी सहमति से तलाक ले लिया। आकांक्षा भारत आई और ससुर विजयकांत शेंडेय के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा कि अमेरिकी कानून के मुताबिक तो कोर्ट में संपत्ति का बंटवारा हो गया, लेकिन भारत में मुझे मिला स्त्रीधन अभी भी ससुर के पास है।

मोबाइल ज्यादा चलाने पर टोका तो जान दी

18 साल की छात्रा से पिता ने कहा था- सोशल मीडिया से दूर रहा करो...

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली 18 साल की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। बताया जाता है कि वह मोबाइल चला रही थी। इसी दौरान पिता ने उसे सख्ती से टोक दिया। इसके बाद पिता काम पर चले गए। बेटी ने दूसरी मंजिल पर जाकर यह कदम उठा लिया। घटना रविवार शाम की बताई गई है। सोमवार को पोस्टमार्टम कराया गया। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक सलोनी परमार निवासी मूसाखेड़ी (18) ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दी है। रविवार देर शाम को शव दूसरी मंजिल पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस कारणों को वेरिफाई और क्रॉस चेक करने में लगी है। छात्रा की सोशल मीडिया प्रोफाइल और मोबाइल कॉल डिटेल भी देखी जा सकती है।

फर्नीचर से जुड़ा काम करने वाले पिता महेश परमार ने पुलिस को बताया कि सलोनी 10वीं की स्टूडेंट थी। उनकी कुल दो बेटियां और एक बेटा है। सुबह सलोनी मोबाइल चला रही थी। इस दौरान कहा था कि मोबाइल ज्यादा चलाना सेहत के लिए ठीक नहीं। इसके बाद वो काम पर चले गए। तब तो सलोनी और बाकी बच्चे अपने-अपने कामों में लग गए। शाम को सूचना मिली कि बेटी सलोनी ने फांसी लगा ली है।

दूसरी घटना, पिता गांव गए, बेटी ने फांसी लगाई, भाई ने देखा

एक अन्य सुसाइड इंदौर के तेजाजी नगर में हुआ है। वहां 22 साल की एक युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह घर पर 10 साल के भाई के साथ थी। पिता दो दिन के काम के चलते शनिवार को ठीकरी के पास गृह गांव गए हुए थे। रविवार रात बेटी ने यह कदम उठा लिया। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक उषा पुत्री दिलीप निवासी हसन कॉलोनी ने फांसी लगाकर जान दी। पड़ोसियों ने जानकारी देते हुए बताया कि रात में 10 साल के भाई ने उसे पीछे के कमरे में फंदे पर लटके देखा और रोते हुए बाहर आया। इसके बाद आसपास के लोगों को जानकारी लगी। रिश्तेदारों के मुताबिक उषा की तीन बहनें और एक भाई है। दो बहनों की शादी हो चुकी है। उषा की मां चार साल पहले पिता से अलग हो गई थी। सबसे छोटी बेटी को अपने साथ ले गई थी जबकि उषा और उसका भाई पिता के साथ रहता था। पुलिस के मुताबिक अभी सुसाइड के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। मामले में जांच की जा रही है।

एमपी से मालदीव जाने के लिए होड़

इंदौर से ही ऑफ सीजन में मालदीव के लिए महीने की 600 बुकिंग

इंदौर। इंदौर से मालदीव जाने वाले पर्यटकों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है। पहले इंदौर सहित पूरे प्रदेश से मालदीव के लिए हर महीने लगभग 1100 के करीब टूर पैकेज बुक होते थे। लेकिन जनवरी में भारत-मालदीव के बीच बढ़ते विवाद और प्रधानमंत्री के लक्षद्वीप दौरे के बाद से बुकिंग घटी थी। जो 100 टूर तक आ गई थी लेकिन अब फिर ट्रेंड बदला है। समर सीजन में एक बार फिर मालदीव जाने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होने लगा है। ऑफ सीजन होने के बावजूद मध्य प्रदेश से हर महीने मालदीव के लिए 500-600 टूर पैकेज बुक हो रहे हैं। यानी वापस से 500त्न का उछाल आया है। हालांकि, यह की तुलना में जनवरी से फिर भी आधा ही है।

जनवरी से पहले हर महीने 1 हजार से ज्यादा थी बुकिंग- ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष हेमेंद्रसिंह जादौन के अनुसार इंदौर सहित पूरे प्रदेश से जनवरी 2024 के पहले हर माह मालदीव के 11 सौ के करीब पैकेज बुक

होते थे। जनवरी के बाद यह संख्या 100 से भी कम रह गई थी। वहीं मार्च से इस संख्या में दोबारा इजाफा होने लगा है। बताया जा रहा है कि हर माह अब 500 से 600 पैकेज बुक हो रहे हैं। ऑफ सीजन होने के बाद भी इतनी संख्या में पैकेज बुक होना बड़ी बात है। आने वाले समय में इस संख्या में और इजाफा होगा।

90 हजार से 4 लाख तक के पैकेज

बुकिंग से जुड़े लोगों ने बताया मालदीव जाने के लिए हर तरह के पैकेज उपलब्ध है। मुंबई-दिल्ली जैसे बड़े शहरों से माले के लिए सीधी उड़ान मिल जाती है। इसके बाद अलग अलग रिजॉर्ट के अनुसार पैकेज होते है। न्यूनतम 90 हजार रुपए प्रति व्यक्ति से लेकर 4 लाख रुपए प्रति व्यक्ति तक का पैकेज होता है। लोग इसे अपने हिसाब से कस्टमाइज करवाते हैं।

टूट गई कमर, भारत में करेंगे रोड शो

मालदीव की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पर्यटन पर टिकी है। यहां आने वाले पर्यटकों में पहले नंबर पर भारतीय और दूसरे नंबर पर चीन है। भारतीयों के बहिष्कार का मालदीव की टूरिज्म इकोनॉमी पर काफी असर हुआ है। वहां के अधिकारी अब भारतीय पर्यटकों को रिझाने के लिए रोड शो करने की तैयारी में हैं।

फरार ठेकेदारों पर पांच हजार का इनाम, गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

इंदौर। ड्रेनेज घोटाले में गिरफ्तार चार आरोपितों को पुलिस ने रविवार दोपहर कोर्ट पेशकर जेल भेज दिया। तीन आरोपित अभी भी पुलिस रिमांड पर है। दो आरोपित फरार है। उनकी गिरफ्तारी पर पांच पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है। गिरफ्तारी के लिए चार थानों की टीम गठित की गई है। डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे के मुताबिक आरोपित मोहम्मद साजीद, रेणु वढ़ेरा, उदयसिंह भदौरिया, चेतनसिंह भदौरिया का रिमांड समाप्त हो चुका है। चारों आरोपितों को दोपहर को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया। तीन आरोपित राहुल बढ़ेरा, राजकुमार सालवी और मोहम्मद जाकिर अभी भी रिमांड पर है। आरोपितों से नगर निगम से मिली फाइलों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। उधर दो आरोपित मौसम व्यास और इमरान खान की तलाश जारी है। अभय राठौर पूर्व से ही फरार चल रहा है।

संपादकीय

प्रदेश में बेखौफ रेत माफिया

तमाम दावों औ कोशिशों के बाद भी मध्यप्रदेश में रेत और खनन माफिया के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। वो अवैध खनन रोकने वाले सरकारी कर्मचारियों की जान लेने से भी नहीं हिचक रहे। ताजा घटना शहडोल जिले में हुई, जिसमें अवैध रेत से भरी ट्रॉली को रोकने पर ट्रैक्टर चालक ने पुलिस के एएसआई को कुचल कर मार डाला। जिले के ब्यौहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेन्द्र बागरी एक आपराधिक मामले में फरार स्थायी वारंटी को पकड़ने बड़ौली गांव गए थे। एएसआई गया प्रसाद कन्नौजे और आरक्षक संजय दुबे उनके साथ थे। इसी दौरान खढ़ौली गांव के पास सामने से ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। यह ट्रैक्टर राज समाधिन नदी से अवैध तरीके से रेत खनन करके ला रहा था। बागरी ने उसे रोकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर उन्हें कुचलता हुआ ट्रैक्टर-ट्रॉली को आगे बढ़ा ले गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जमोड़ी गांव के रहने वाले ट्रैक्टर ड्राइवर राज रावत उर्फ विजय और उसके साथी आशुतोष को रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी एएसआई को कुचलने के बाद भागने की फिराक में थे। वहीं, ट्रैक्टर मालिक सुरेंद्र सिंह की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। उस पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। सुरेंद्र अगस्त में रेत चोरी के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। साथ ही मुख्य आरोपी का घर भी बुलडोजर से ढहा दिया गया है। सभी आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है। उधर एएसआई के शव के साथ भी अमानवीय व्यवहार की खबरें मिली हैं। शव का जमीन पर रखकर पोस्टमार्टम किया गया और उसकी पत्नी को एंबुलेंस में पति के अंतिम दर्शन भी नहीं करने दिए गए। इसके पहले रेत माफिया कुछ दिन पहले एक पटवारी की भी जान ले चुका है। लेकिन रेत माफिया के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि अधिकांश जगहों पर रेत माफिया को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है। कई जगह सरकारी अमला भी मिला हुआ है। ऐसे में रेत माफिया पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। मप्र में तो रेत माफिया पर लगाम कसने के चक्कर में एक आईपीएस अधिकारी की मौत भी हो चुकी है। शहडोल वाले मामले में भी प्रशासन ने मुख्य आरोपी का घर बुलडोजर से ढहाकर इतिश्री कर ली। आगे क्या हुआ, किसी को नहीं मालूम। नदियों में अवैध रेत खनन से पर्यावरण को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। सरकार इससे मिलने वाली रॉयल्टी पर ही अपनी पीठ थपाथपा रही है। लेकिन हकीकत यह है कि रेत माफिया ने प्रदेश की नदियों को खोखला कर दिया है। नर्मदा नदी से लेकर बेतवा नदी, सिंध नदी सहित अनेक नदियां ऐसी हैं, जिन पर पोकलेन मशीन नजर आना आम बात है। कई माफिया तो ऐसे हैं, जो पनडुब्बी तक का रेत खनन के लिए सहारा लेते हैं। इन पर कार्रवाई इस लिए भी नहीं होती, क्योंकि जिन इलाकों में जो अधिकारी पदस्थ किए जाते हैं, वो भी राजनेताओं की सिफारिश पर ही तैनात होते हैं। सरकार रेत खनन की नीति बदलती रहती है ताकि इससे सरकारी खजाने को ज्यादा से ज्यादा आय हो सके। लेकिन वास्तव में राज्य के नदी नालों से मनमर्जी और बिना किसी अनुमति के थोक में रेत निकाली जा रही है और दूसरे राज्यों को भेजी जा रही है। लेकिन अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है। अगर समय रहते रेत माफिया पर अंकुश न लगाया गया तो राज्य में माफिया राज कायम होते देर नहीं लगेगी। सरकार को इसे सख्ती के साथ रोकना चाहिए ताकि भविष्य में शहडोल जैसे हादसे न हों।

मध्यप्रदेश : आज सात मई को नौ का फैसला !

चुनाव-चौबीस

डॉ. सुधीर सक्सेना

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

1 मई को गैरिकवसना संन्यासिनी उमाश्री भारती शिवपुरी में थीं। गुना से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रचार के वास्ते। कहा तो उन्होंने यही था कि चुनाव 24 में वह प्रचार से दूर रहेंगी। अपने इस कौल को उन्होंने लगभग आखिरी चक्र तक निभाया। 24 अप्रैल को अपने गृहग्राम डूडा आईं। वोट डाला और चली गईं। उल्लेखनीय है कि ज्योतिरादित्य की सगी बुआ श्रीमती यशोधरा राजे भतीजे के चुनाव प्रचार में फटकी तक नहीं, जबकि ज्योतिरादित्य की पत्नी और बेटे-बहू ने प्रचार में खूब शिरकत की।

फिर क्या वजह है कि उमाश्री ने अपना वचन भंग किया? ज्योतिरादित्य और उमाश्री में बुआ-भतीजे का रिश्ता है। उमाश्री की राजनीतिक दीक्षा और करियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया यानी ज्योतिरादित्य की दादी की सर्वप्रथम भूमिका रही है। उमाश्री का आना क्या सिर्फ इसी रिश्ते का निर्वाह था या उन्हें फिर ऐसी कोई भनक लगी थी कि भतीजे की जीत की संभावना को गारंटी में बदलने वह पहाड़ों से भागी-भागी चंबल के खादर में चली आईं? कहीं ऐसा तो नहीं है कि दुश्चिंताग्रस्त ज्योतिरादित्य ने बुआ को संदेशा भेजा हो? गौरतलब है कि बीजेपी के सितारा-लिस्ट में इस बार उमाश्री को स्थान नहीं मिल पाया है।

बहरहाल, उमाश्री के रोड शो और सभा के अभिप्राय को बूझा जा सकता है। ग्वालियर-चंबल संभाग में हर एक सीट पर मुकाबला कड़ा है। यही वजह है कि मोदी और शाह आये। बहन मायावती आईं। 2 मई को प्रियंका मुरैना आईं। सीएम डॉ. मोहन यादव संभाग में फिर-फिर आये। कल के केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में मध्यप्रदेश विधानसभा के स्पीकर नरेन्द्रसिंह तोमर ने तो भोपाल की प्रोफेसर्स कॉलोनी की सरकारी कोठी छोड़कर मुरैना में डेरा ही डाल दिया। 28-01 की अंक तालिका और मिशन 29 समूची भगवा ब्रिगेड के जेहन में है। किला दरकने का डर सबको सता रहा है। पसलियों में दिल धाड़-धाड़ बज रहा है। मध्यप्रदेश में सात मई को नौ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। वाकओवर कहीं भी नहीं है। अधिकांशतः मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है, मगर कुछ ठौर बहुजन समाज पार्टी ने पेंच फंसा रखा है।

सात मई को जिन क्षेत्रों में मतदान होगा वे हैं - ग्वालियर, भिंड, मुरैना, गुना, राजगढ़, भोपाल, विदिशा, बैतूल और सागर। यह सभी सीटें बड़ा मायना रखती हैं। पिछले चुनाव में हार से सतर्क सिंधिया फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। उनका मुकाबला बीजेपी से कांग्रेस में आये राव यादवेन्द्र सिंह से है। करीब सवा दो लाख यादव और करीब डेढ़ लाख मुस्लिम यादवेन्द्र की ताकत है। करीब तीन लाख कुशवाहों और डेढ़ लाख किरार-धाकड़ों को बीजेपी का वोट बैंक माना जा रहा है। उमाश्री की मनुहार से लोध और लोधा बीजेपी को वोट दे सकते हैं। राजवेन्द्र के पिता राव देशराज सिंह यादव प्रभावशाली और प्रतिष्ठित नेता रहे हैं। अलग-अलग जातियों पर डोरे डालने का खेल दोनों ही पार्टियां कर रही हैं।

जातीय समीकरणों को साधने का खेल मुरैना में शबाब पर है। यहां स्पीकर नरेन्द्रसिंह तोमर की प्रतिष्ठा दांव पर है, क्योंकि शिवमंगल सिंह तोमर को उन्हीं की

पैरवी से टिकट मिला है। प्रारंभिक दौर में शिवमंगल सत्यपालसिंह सिकरवार के मुकाबले कमजोर नजर आ रहे थे, लेकिन प्रतिष्ठित तेल व्यवसायी रमेश गर्ग को बसपा ने मैदान में उतारकर मुकाबले को रोमांचक और त्रिकोणीय बना दिया है। यहां वैश्यों और दलितों का एका गुल खिला सकता है और गर्ग नया सर्ग लिख सकते हैं।

बसपा के मैदान में उतरने से ग्वालियर सीट पर भी पेंच फंस गया है। यहाँ कॉंग्रेस के प्रवीण पाठक और भाजपा के भारतसिंह कुशवाह के बीच आमने सामने की लड़ाई थी, लेकिन बसपा ने कल्याणसिह कंसाना को मैदान में उतार कर कुछ हद तक समीकरण गड़बड़ा दिये है। कंसाना वोट- कटवा प्रत्याशी माने जा रहे हैं। ब्राह्मणों और राजपूतों के बीच पारंपरिक लांगडांट और दलितों-मुस्लिमों के कांग्रेस की ओर झुकाव से राजनीतिक पंडित नये सिरे से कयास लगा रहे हैं। दिलचस्प तौर पर ग्वालियर सीट पर जय-पराजय में महल की भूमिका गौण हो गयी है।

पड़ोसी राजगढ़ सीट पर दिलचस्प चुनावी संग्राम का नजारा देखने को मिल रहा है। यहां से कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ और शक्तिशाली नेता दिग्विजय सिंह चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्हें कमतर नहीं आँका जा सकता। संघ के कट्टर और मुखर विरोधी होने से वह संघ परिवार की आंखों की किरकिरी है; लिहाजा उन्हें हराने के लिये संघ ने पूरी ताकत झोंक रखी है। दिग्विजय, जो राजा साहब के नाम से विख्यात है, यहाँ से दो बार और उनके अनुज लक्ष्मणसिंह चार बार चुनाव जीत चुके हैं। इस चुनाव में लक्ष्मण की निष्क्रियता समझ से परे है जबकि दिग्गी राजा की पत्नी और विधायक पुत्र प्रचार में जुटे हुए हैं। व्यक्तित्व के मान से बीजेपी के प्रत्याशी और दो बार के विजेता निवर्तमान सांसद रोडमल नागर उनके सामने हलके पड़ते हैं। दस साल के सांसद-काल में उनकी सक्रियता भी कम रही है। दिग्विजय सिंह प्रतिदिन पांव-प्यादे करीब 25 किमी की पदयात्रा कर मतदाताओं से संपर्क साधते हैं। गांवों-कस्बों के सयाने उनके नाम और काम से सुपरिचित हैं। दिग्विजय सिंह की इस आशय की भावनात्मक अपील पुरअसर है कि वह अपने जीवन का आखिरी चुनाव लड़ रहे हैं।

राजगढ़ की भांति सबकी निगाहें विदिशा पर भी टिकी हुई है, जहां से सर्वाधिक काल तक सूबे के मुख्यमंत्री रहे सौभाग्यशाली शिवराजसिंह चौहान चुनाव लड़ रहे हैं। पहले अटलबिहारी वाजपेयी, फिर शिवराजसिंह और फिर सुषमा स्वराज, विदिशा में बीजेपी में बेटन थमाने की परंपरा रही है। अब बेटन एक बार फिर शिवराज के हाथों में है। कांग्रेस ने यहां सन् 80 और सन् 84 में विजयी प्रतापभानु शर्मा पर दांव लगाया है। राजीव गांधी के क्लीन-शेव क्लब के सदस्य रहे प्रतापभानु सकारात्मक सोच और उजली कमीज के नेता हैं। शिवराज को पिछड़ी जातियों और लाड़ली बहनों का भरोसा है, किंतु ब्राह्मणों, दलितों और मुस्लिमों के एक- मुश्त मतों के भरोसे प्रतापभानु ने बिलाशक शिवराज को सांसत में डाल रखा है।

इसी संभाग की अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भिंड सीट भी हार जीत को लेकर जेरे- बहस है। यहां मौजूदा बीजेपी सांसद सुश्री संध्या राय को कांग्रेस के तेजतर्रार और तुर्शजुबां नेता फूलसिंह बरैया ने चुनौती दे रखी है। बरैया कभी प्रदेश बसपा के मुखिया हुआ करते थे। बरैया की जीत की संभावना इस नाते ज्यादा आंकी जा रही है क्योंकि क्षेत्र में दलित वोटों की तादाद लगभग एक तिहाई है। प्रियंका के आने से भी बरैया के प्रचार को गति मिली है।

राजधानी भोपाल में हार-जीत को लेकर अधिक आसमंजस नही है, क्योंकि पिछले करीब चार दशकों से भोपाल बीजेपी प्रत्याशी का वरण करता रहा है। इस क्रम को तोड़ना कांग्रेस के लिए वक्त के साथ कठिन से कठिनतर होता गया है। यहां तक कि पिछले चुनाव में यहाँ दिग्गी राजा को भी करारी पराजय का सामना करना पड़ा था। हिन्दुत्ववादी नेता को बढ़ाने के क्रम में बीजेपी ने साध्वी प्रज्ञा को रिपीट करने के बजाय आलोक शर्मा पर दांव लगाया है। उनके मुकाबले कांग्रेस ने अरुण श्रीवास्तव को मैदान में उतारा है। पार्टी को उम्मीद है कि उन्हें पांच लाख मुस्लिम और ढाई लाख कायस्थों के वोट मिलेंगे। कहना कठिन है कि कांग्रेस का यह अनुमान कसौटी पर खरा उतरेगा, क्योंकि कायस्थ वोट बैंक में बिखराव के आसार है।

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित बैतूल में कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला है। बैतूल के निवर्तमान बीजेपी सांसद दुगार्दास उइके का हश्र ग्वालियर के सांसद विवेक शेजवलकर की भांति नहीं हुआ। वह पुनः मैदान में हैं और उनका सामना रामू टेकाम से हैं, जिनके लिये सभा करने छिंदवाड़ा में मतदान के अगले दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ आये। नाथ के आने से कांग्रेस नेताओ में एकजुटता और कार्यकर्ताओं में सक्रियता नजर आई, अलबत्ता साधनों के मामले में कांग्रेस बीजेपी से हर कहीं पीछे है। कांग्रेस को मुद्दों का आसरा है तो बीजेपी को सर्वत्र मोदी मैजिक का सहारा।

बुंदेलखंड की सागर सीट भी इससे मुक्त नहीं है। बीजेपी की लता वानखेड़े भी मोदी मैजिक के सहारे चुनावी वैतरणी में पार घाट लग जाये तो बात दीगर, अन्यथा कांग्रेस ने गुड्डूसिंह बुंदेला को मैदान में उतारकर कड़ी चुनौती पेश की है। झूठ बोले कौवा काटे फेम के विठ्ठलभाई पटेल की नगरी सागर मंत्रियों की नगरी है और बीजेपी के पास विपुल साधन है, जबकि बीजेपी को राजनीतिक हांके के फलस्वरूप कांग्रेस के पास कार्यकर्ताओं तक का टोटा है। इस न्यूनता के बावजूद गुड्डी बुंदेला ने जिस हौसले से चुनाव लड़ा है, वह काबिले तारीफ है। किस्सा कोताह यह कि सात मई को मध्यप्रदेश की नौ सीटों पर मतदान मायने राखता है और अंक तालिका में फेर बदल का बायस बन सकता है।

'नोटा' विकल्प के रहते 'निर्विरोध' निर्वाचन कितना औचित्यपूर्ण?

आम चुनाव

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

सूरत लोकसभा के हुए निर्विरोध निर्वाचन के मामले को लेकर जब कांग्रेस द्वारा भारतीय संविधान की दुहाई दी जा रही हो, तब उम्मीदवार का नामांकन निरस्त कर (खजुराहो संसदीय क्षेत्र) एवं तीसरे चरण में हो रहे इंदौर लोकसभा से भी कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन वापिस करवाकर भाजपा में शामिल कर, यथासंभव निर्विरोध चुनाव की नई नीति की अचानक आहट इस लोकसभा चुनाव सुनाई देने लगी है। यह स्थिति तब पैदा हो रही है या की जा रही है, जब दोनों लोकसभा क्षेत्र सूरत व इंदौर से लगातार वर्ष 1989 से व खजुराहो से वर्ष 2004 से भाजपा भारी बहुमत से चुनाव जीतती चली आ रही है। 'ऐसी स्थिति में इस पहलू पर जरूर विचार करना आवश्यक हो जाता है कि क्या नोटा के रहते एकमात्र बचे उम्मीदवार को 'निर्विरोध' निर्वाचित घोषित करने की कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार का समय नहीं आ गया है?

नोटा का अर्थ- भारतीय संविधान व जन प्रतिनिधित्व कानून में मूल रूप से ''नोटा'' का प्रावधान नहीं था। परंतु ''पीयूसीएल बनाम भारत सरकार'' के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश के पालन में दिसंबर 2013 में पहली बार मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग ने 'नोटा' का विकल्प भी मतदाता को दिया, तब भारत नोटा का विकल्प देने वाला विश्व का 14वां राष्ट्र बना। वर्ष 2014 में राज्यसभा के चुनाव में भी नोटा का प्रयोग किया गया। यह एक नकारात्मक प्रक्रिया है, जहां नोटा का कोई चुनावी मूल्य नहीं होता है। यह सिर्फ प्रत्याशी की अयोग्यता को दिखाने में मतदाता को सक्षम बनाता है। लेकिन यह भी सच है कि नोटा एक 'काल्पनिक उम्मीदवार'' होता है, जिस प्रकार भगवान एक लीगल एनटाइटी (वैध व्यक्ति) होते हैं। 'नोटा' का मतलब ऐसा 'दंतहीन विकल्प' है, जो समस्त उम्मीदवारों को अस्वीकार करने का अधिकार देता है।

जब खुद चुनाव आयोग जोर शोर से यह प्रचारित, प्रसारित करता है कि प्रत्येक नागरिक को अपने 'मताधिकार' का उपयोग हर हालत में करना ही चाहिए और 100 परसेंट वोटिंग होना चाहिए, तब 'निर्विरोध' परिणाम के कारण सूरत लोकसभा क्षेत्र के लगभग 16 लाख वोटर को तथा उनमें से वे युवा वोटर जिन्हें पहली बार मताधिकार का अधिकार मिला है, वे अपने इस अधिकार से वंचित हो गये और उन्हें वोट देते हुए 'सेल्फी' खींचने का मौका भी नहीं मिल पाया। मतदान न करने पर सजा देने का प्रावधान लाने की वकालत करने वालों के लिए तो निर्विरोध चुनाव एक झटके, सदमे से कम नहीं होगा?

नोटा: दंतहीन प्रावधान

'नोटा' व वृद्धाश्रम की 'दशा' व 'दिशा' एक सी ही है। वृद्धाश्रम की आवश्यकता परिवार द्वारा दायित्वों को न निभाने के कारण उत्पन्न

होती है। अतः जब समाज और परिवार अपना दायित्व पूर्ण रूप से निभाने में सक्षम होकर निभाने लग जाएगा, तब 'वृद्धाश्रम की सोच' ही समाप्त हो जाएगी। इसी प्रकार परिपक्व लोकतंत्र में जनता के पास दो विकल्प होते हैं- सत्ता पक्ष व विपक्ष। जहां लोकतंत्र परिपक्व नहीं होता है, तब पक्ष-विपक्ष दोनों असफल सिद्ध हो जाने की स्थिति में तभी मजबूरी वश 'नोटा' का प्रावधान कर विकल्प दिया जाता है। परन्तु नोटा का प्रयोग होने के बावजूद मतदाता अपने उद्देश्यों में वस्तुतः सफल नहीं हो पाता है। क्योंकि अंततः 'शासक' तो दोनों पक्षों में से कोई एक ही बनता है, जिसे न चुनने के लिए नोटा का उपयोग किया गया था। 'नोटा' का बहुमत होने की स्थिति में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे 'शासन का अधिकार' नहीं मिल जाता है। अतः नोटा में वास्तविक परिणाम को लागू करने वाली शक्ति निहित न होने के कारण, जिस मुद्दे को लेकर नोटा का प्रयोग किया गया है, उसकी प्राप्ति न होने से नोटा का आह्वान करना, व्यावहारिक रूप से उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कहीं से कहीं उचित नहीं ठहरता है।

जन प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन आवश्यक- इस बात पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता है कि 'नोटा' 'किन' उद्देश्यों की पूर्ति करता है? अथवा उच्चतम न्यायालय ने जिन उद्देश्यों के लिए इसका प्रावधान करने के निर्देश चुनाव आयोग को दिये थे, की क्या पूर्ति हो रही है? यदि 'नोटा' को 'प्रभावी' बनाना है, तो जन प्रतिनिधित्व कानून में यह संशोधन किया जाना आवश्यक है कि यदि नोटा को अधिकतम वोट मिलते हैं, तो न केवल चुनाव फिर से होना चाहिए, बल्कि जिन भी उम्मीदवारों को नोटा से भी कम मत मिले हैं, उन्हें पुनः खड़े होना का अधिकार नहीं होना चाहिए। यद्यपि समय के साथ 'नोटा' की लोकप्रियता बढ़ने के बावजूद अभी तक नोटा 'बहुमत' हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ है। अधिकतम व बहुमत में अंतर है। साथ ही जीत का अंतर नोटा को मिले मत से कम होने पर पुनः चुनाव होना चाहिए। इस तरह की मांग को लेकर एक जनहित याचिका प्रसिद्ध लेखक व मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा ने उच्चतम न्यायालय में दायर की है, जिस पर चुनाव आयोग ने नोटिस भी जारी कर दिया है। नवम्बर 2018 में महाराष्ट्र व हरियाणा राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव में संशोधन कर अधिकतम वोट मिलने पर फिर से चुनाव होने का प्रावधान किया गया है। आखिर उपरोक्त प्रस्तावित संशोधन की मांग से नुकसान किस बात का है? किसका है?

हमारे देश में संसदीय प्रणाली है, जहां चुने गये विधायक/सांसद, ही कार्यपालिका के माध्यम से ''शासन'' चलाते हैं। चूंकि नोटा शासक नहीं हो सकता है, अतः आप एक अराजकतावादी स्थिति की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यदि आप नोटा' के समर्थक है, तो वही काम तो मत न ड़ालने से भी हो रहा है। अतः जितना कम प्रतिशत मतदान हुआ है, उसको 'नोटा' ही माना जाना चाहिए।

मतदाता को यह समझना चाहिए कि यदि आपको कुँआ या खाई, चोर या डाकू में एक किसी एक का चुनाव करना ही है, तब आपने यदि डाकू चुना है, तो वह भविष्य में डाकू से चोर बनने की ओर अग्रसर होगा, ताकि पुनः वह पांच वर्ष के लिए चुना जा सके। और यदि चोर चुना गया है, तो वह ''साहूकार'' बनने का प्रयास अवश्य करेगा। यदि ऐसा नहीं हो पाता है, तब अटल जी के शब्दों में हर पांच सालों में 'रोटी' पलट देना चाहिए ताकि रोटी (लोकतंत्र) जल न सके को अपना लेना चाहिए। तभी लोकतंत्र सुरक्षित रह पायेगा। 2018 में मध्य प्रदेश विधानसभा के हुए चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के बीच मात्र 0.1 प्रतिशत वोट शेयर का अंतर था, जबकि नोटा का 1.4 प्रतिशत वोट शेयर रहा, जो परिणाम को बदल सकता था।

एक टीके पर टीका-टिप्पणी

हास्य-व्यंग्य

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बचपन से ही मुझे डॉक्टर की सुई से बहुत डर लगता था। फिर भी मेरी माँ मुझे कभी बीसीजी, कभी चेचक आदि के टीके लगवाती रहीं। क्या करता छोटा था, अनजान था, मुझे अपनी माँ पर भरोसा अधिक था, टीके पर कभी नहीं रहा, पर जब बड़ा हुआ। समझदार हुआ, तब मुझे जानकारी हुई, तसल्ली हुई, कि जो टीके मुझे मेरी माँ ने लगवाये थे, वे सब सही थे, मेरे जीवन रक्षक थे।

बचपन में माँ मुझे बहुत लाड़-प्यार करती थीं, लोगों की बुरी नज़रों से बचाने के लिए मुझे काजल लगाते वक्त काला टीका मेरे माथे पर लगा दिया करती थीं, कहतीं थीं मेरे लाल को किसी की नजर न लगे और मैं बुरी नजरों से बचा रहता था।

वह टीका लेखकों के लिए वरदान सिद्ध होती हैं, जब किसी की टीका से किसी लेखक को प्रसिद्धि मिलती है और फिर वही प्रसिद्धि उसके धन प्राप्ति के मार्ग को प्रशस्त करती है। नेता-मंत्री भी किसी लेखक-कवि की टीका-टिप्पणी का सहारा लेकर प्रसिद्ध होते हैं, सिद्ध होते हैं।

प्रेमी की अच्छी-अच्छी टिकाएँ प्रेमिका के लिए आयरन और विटामिन सी का कार्य करती हैं। पति द्वारा पत्नी पर की गई खुशनुमा टीका-टिप्णियां उसे मोहन भोग खिला सकती है। प्यार का झूला झूला सकती है। बहारों फूल बरसा सकती हैं, पर पति की पत्नी पर की गई असभ्य टिकाएँ, पति को पत्नी से उतनी दूर कर सकती है, जितनी दिल्ली की सल्तनत विपक्षियों से दूर है। फिर पति ठंडी-ठंडी आहें भरने के अलावा कुछ भी नहीं कर सकता?

मंत्री अपने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों पर टिकाएं कर सकता है- बड़ा साहब छोटे साहब पर टीका-टिप्पणी कर सकता है-छोटा साहब अपने से छोटे कर्मचारियों पर टिका-टिप्पणी कर सकता है। अमीर गरीब पर टिका-टिप्पणी कर सकता है। अर्थशास्त्री अर्थचक्र पर टीका कर सकता है, समाजशास्त्री समाज पर टीका कर सकता। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रिंसिपल पर टीका-टिप्पणी कर सकता है, प्रिंसिपल टीचर पर टीका-टिप्पणी कर सकता है, टीचर बच्चों पर टीका-टिप्पणी कर सकता है, पर आजकल जब से यह कोरोना टीका बदनाम हुआ है, तब से यह टीका मुझ पर तमाम टिकाएं करते हुए, मुझे हैरान परेशान कर रहा है। अब मुझे सुई से सपने में भी डर लगता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कैमरा और मैं

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ओह! कैमरा, एक चमत्कारी आविष्कार जिसने हमारे जीवन का दस्तावेजीकरण करने और यादें साझा करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इसमें सबसे खूबसूरत पलों को कैद करने, समय को स्थिर रखने और हमारी सबसे शर्मनाक घटनाओं को अमर बनाने की शक्ति है। आइए कैमरे की सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें, और उन सभी हास्यास्पद परिदृश्यों की सराहना करें जिनमें इसने हमें प्रवेश कराया है। सबसे पहले बात करते हैं सेल्फी की उम्र के बारे में। कैमरे ने हम सभी को सेल्फ-पोर्टेट विशेषज्ञों में बदल दिया है। हममें से प्रत्येक हर समय अपने निजी 'पपराज़ी' (उन फोटोग्रैफर को कहते हैं जो अभिनेता, नेता, राजनेता के दिनचर्या के फोटो खींचते हैं।) उपकरण से लैस होता है। क्या आप किसी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक त्वरित तस्वीर खींचना चाहते हैं? सबसे आकर्षक रोशनी के लिए बस कैमरे को झुकाएँ, एक मुद्रा बनाएं और खींच जाएगी आपकी आत्म-महिमा।

और क्या हम फिल्टर और संपादन ऐप्स की अंतहीन धारा के बारे में बात कर सकते हैं जो जादुई रूप से किसी भी साधारण तस्वीर को कला के टुकड़े में बदल देती है? जब उनके पास कुत्ते के कान और उनके सिर पर एक चमकदार प्रभामंडल लगा हो तो उन्हें वास्तव में अपने जैसा दिखने की ज़रूरत किसे है? आखिरकार, जीवन का दस्तावेजीकरण करने का क्या मतलब है अगर यह आपके सर्वोत्तम आभासी स्व को प्रदर्शित नहीं करता है? आइए 'स्पष्ट' फोटो की क्रोनोलॉजी को न भूलें। आप उन्हें जानते हैं - जहां कोई दूर तक देखने या किसी अनदेखे चुटकुले पर हंसने का नाटक करता है। उन्हें कम ही पता है, उनके चतुर साथी ने शटर बटन पर पहले से ही अपनी उंगली घुमाते हुए उन्हें इस कृत्य में पकड़ लिया है। आह, स्पष्ट शॉट का जादू - सावधानीपूर्वक मंचन किया गया और निंजा जैसी सटीकता के साथ निष्पादित किया गया। हमारे भोजन अनुभवों पर कैमरे के प्रभाव के बारे में बात नहीं करेंगे तो कैमरा दुखी हो जाएगा। केवल भोजन का आनंद लेने के बजाय, हमें खाने पर विचार करने से पहले हर कल्पनीय कोण से प्रत्येक व्यंजन की तस्वीर खींचनी होगी। हमारे भोजन का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण है, अन्यथा हर किसी को कैसे पता चलेगा कि हमने ब्रंच के लिए एवोकैडो टोस्ट खाया था? खाद्य फोटोग्राफी की बात करते हुए, आइए हर भोजन, हर नाश्ते और हर सहज कॉफी ब्रेक का दस्तावेजीकरण करने वाले अंतहीन सोशल मीडिया पोस्ट को न भूलें। हम सभी शौकिया खाद्य आलोचक और पेशेवर खाद्य फोटोग्राफर बन गए हैं, पारखी लोगों का एक समाज जो पहले अपने अनुयायियों के लिए फोटो खींचे बिना खाना खाने में असमर्थ है। प्रभावशाली लोगों के उदय के साथ क्या हुआ, वे व्यक्ति जो वास्तव में कैमरे को पूर्णकालिक नौकरी में बदलने में कामयाब रहे हैं? वे आत्म-प्रचार की कला को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं और बड़ी संख्या में अनुयायियों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहे हैं कि उनका जीवन कभी न खत्म होने वाली छुट्टियों से कम नहीं है। जब आपने सोचा कि आप पूरी जिंदगी जी रहे हैं, तो एक प्रभावशाली व्यक्ति आपसे सवाल करता है कि आप उष्णकटिबंधीय समुद्र तट पर भी मोजिटोस क्यों नहीं पी रहे हैं। 'आइए टैगिंग' के रोमांच को न भूलें - अच्छे मनोरंजन के नाम पर, सबसे समझौतावादी, अप्रिय क्षणों में दोस्तों की तस्वीरें कैप्चर करना और साझा करना। ओह, आपके सोशल मीडिया फ़ीड के माध्यम से स्क्रॉल करने और छींक के बीच में आपकी उस आनंदमय तस्वीर पर ठोकर खाने की खुशी, आँखें आधी बंद हैं, और किसी तरह आपके सिर पर लसग्ना की एक डिश रखी हुई है। कैमरे ने हम सभी को शौकिया पपराज़ी में बदल दिया है, जो लगातार हर घटना, मील के पत्थर और मामूली दिलचस्प क्षण का दस्तावेजीकरण कर रहा है। अब हम केवल जीवन का अनुभव करने से संतुष्ट नहीं हैं - हमें भावी पीढ़ी के लिए भी इसे सावधानीपूर्वक कैद करना चाहिए, भले ही कोई वास्तव में आपकी बिल्ली की जम्हाई लेते हुए 273वीं तस्वीर देखना चाहता हो या नहीं।

फिर कुख्यात 'फोटोबॉम्बर्स' हैं, वे व्यक्ति जो चालाकी से खुद को फोटो की पृष्ठभूमि में डाल देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर अनपेक्षित प्रफुल्लता होती है। चाहे वह एक रणनीतिक अंगूठा हो, एक नासमझ चेहरा हो, या एक अप्रत्याशित अलमारी की खराबी हो, फोटोबॉम्बर हमेशा गुप्त रहता है, अपनी धूर्त हरकतों से आपकी स्थिर तस्वीर को हाईजैक करने के लिए तैयार रहता है। निगरानी और निरंतर दस्तावेज़ीकरण के इस युग में, हम हमारी हर गतिविधि पर नज़र रखने वाले सुरक्षा कैमरों की उपस्थिति के आदी हो गए हैं। यह लगभग वैसा ही है जैसे कि हम सभी अपने रियालिटी टीवी शो के अनजाने सितारे हैं, जो अदृश्य दर्शकों द्वारा चुपचाप देखे जाने के बावजूद अपना जीवन जी रहे हैं। क्या किसी और को ऐसा लगता है कि वे 'द ट्रूमैन शो' में एक भूमिका के लिए लगातार ऑडिशन दे रहे हैं? और आइए ड्रोन फोटोग्राफी की बढ़ती दुनिया को नज़रअंदाज़ न करें। इन हवाई कैमरों ने सचमुच ताक-झांक को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अब हम केवल जमीन से जीवन का दस्तावेजीकरण करने से संतुष्ट नहीं हैं, अब हमारे पास अपने पड़ोसियों की जासूसी करने या बिना सोचे-समझे धूप सेंकने वालों के गुप्त हवाई शॉट्स लेने की क्षमता है। क्योंकि ऊपर से गूंजते हुए ड्रोन द्वारा निगरानी किए जाने से बेहतर कुछ भी 'स्वतंत्रता' नहीं है। कैमरे ने, हमारे आस-पास की दुनिया को कैद करने और साझा करने की अपनी शक्ति के साथ, हमारे जीवन को कई बेतुके और प्रफुल्लित करने वाले तरीकों से बदल दिया है। हालाँकि इसने निश्चित रूप से हमें एक-दूसरे के करीब लाया है और हमें अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने में सक्षम बनाया है, इसने हमें आत्म-जुनूनी, निगरानी के प्रति जागरूक और अंतहीन तस्वीरें खींचने वाले व्यक्तियों के समाज में भी बदल दिया है। फिर भी कम से कम हमारे पास बूढ़े और झुर्रीदार होने पर देखने के लिए कुछ बेहतरीन तस्वीरें होंगी, है ना?..

दृष्टिकोण

बादल सरोज

लेखक लोकजतन के संपादक हैं।

मीडिया की स्वतंत्रता : सारे धान पंसेरी के भाव मत तौलिये

3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस था। पर कुछ गुणी और सुधी मित्रों की ऐसी टिप्पणियाँ दिखीं जिनमे इन दिनों की पत्रकारिता का मखौल उड़ाते-उड़ाते पत्रकारों का भी उपहास जैसा किया गया लगा । यह एक तो जर्मन कहावत, दास काइंड मिट डेम बडे ऑस्चुटेन (बच्चे को नहलाकर बाहर निकालें, नहाने के पानी के साथ उसे भी न फेंक दें) जैसा है, दूसरे यह देश और समाज के लोकतंत्र को जिंदा रखने में असाधारण जोखिम उठाकर किये जा रहे पत्रकारों के योगदान की अनदेखी करना है। इस बारे में पांच आग्रह हैं।

एक– इस देश के पत्रकार कभी नहीं बिके । जब से प्रेस नाम की संस्था और मीडिया शब्द अस्तित्व में आया है तबसे पत्रकारों ने अपना काम किया है ; निडर, बेबाक और पूरी दमदारी के साथ। ब्रिटिश राज में कंपनी, वायसरायों और उनके मैस्सी साहबों की लूट और निर्ममता को पत्रकारों ने ही बेनकाब किया था, जिसके नतीजे में पूरी दुनिया और खुद इंग्लैंड की जनता में इस बर्बरता के विरुद्ध भावनाएं भड़कीं और बर्तानिया हुकूमत को तरीके बदलने के लिए विवश कर दिया। ये अनेक थे, ऐसे ही एक पत्रकार का नाम था कार्ल मार्क्स, जिन्होंने 1852 से 1861 के बीच लन्दन की लाइब्रेरी में बैठकर और ब्रिटिश संसद में रखी गयी रिपोर्ट्स के आधार पर अमरीका के अखबार द न्यूयॉर्क डेली ट्रिब्यून के लिए डिस्पैच लिखे। उन्होंने दुनिया के अखबारों के लिए 1857 की लड़ाई को भी कवर किया और उसे भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम करार दिया। तब का उनका लिखा भारत में उपनिवेशवाद की लूट का आज भी प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता हैं। यह हिंदी में किताब के रूप में भी मौजूद है।

आजादी की लड़ाई के कवरेज और उसके लिए प्रेरणा देने का काम भारत के भीतर भी अनगिनत पत्रकारों ने किया। उनके अखबार जब्त हुए, जुर्माना चुकाने में घर और जायदाद बिक गयी, जेलें काटनी पड़ीं। इनके नाम इतने ज्यादा हैं कि उन्हें गिनाने के लिए जगह कम पड़ जायेगी। युवा भगत सिंह पत्रकार थे, खुद गांधी पत्रकार थे, अम्बेडकर ने अखबार निकाले, नेहरू ने नेशनल हैराल्ड अखबार शुरू किया। नाम और भी हैं अभी सिर्फ एक बाल गंगाधर तिलक का उदाहरण ही ले लें जिन्हें 1891 में अपने अखबार 'केसरी' में 'भारत की दुर्दशा' लेख लिखने पर 6 साल की सजा हुयी थी। इस सजा के खिलाफ बंबई के 6 लाख मजदूरों ने 6 दिन की प्रतीकात्मक हड़ताल कर ऐसा विरोध जताया था कि दुनिया चकित हो गयी थी। दूर बैठे लेनिन ने भी प्रेस की स्वतन्त्रता की हिमायत में औद्योगिक मजदूरों की इस राजनीतिक हड़ताल के महत्व को दर्ज करते हुए उसका अभिनंदन किया था।

आजादी के बाद भारत के पत्रकारों की निर्भीकता और उनकी खोजी पत्रकारिता की मिसाल 75-77 की इमरजेंसी में देखी गयीं। उसके बाद के दौर में, आज भी उनकी क्षमता कायम है। किसान आन्दोलन को उसके लायक जरूरी कवरेज देने के चलते न्यूज़क्लिक पर ताला डला हुआ है और प्रबीर पुरकायस्थ जेल में हैं, बर्बरों को बर्बर, फासिस्टों को फासिस्ट कहने वाली गौरी लंकेश मारी जा चुकी हैं। राजा का बाजा बजाने से इनकार करने वाले सैकड़ों रवीश, परान्जोय गुहाठाकुरता, अभिसार, अजीत अंजुम और पुण्यप्रसून वाजपेई नौकरियों से निकलवा दिए गए हैं।

खड़े खड़े नौकरी से निकलवाना क्या होता है ये अमेठी के दो पत्रकार, इन दिनों स्वयं को राजमहिषी मान बैठी सत्ता पार्टी की नेत्री से सवाल पूछने की हिमाकत करके देख चुके हैं। अखबार के मालिक इत्ते डरे कि अपने इन दोनों पत्रकारों का अस्तित्व तक मानने से इनकार कर दिया।

यह दशा सिर्फ वामपंथी या जिन्हें संघी कुनबा प्यार से सिकुलर कहता है उस विचार को मानने वाले पत्रकारों भर की नहीं है, उनकी ज्यादा है। मगर दक्षिणपंथ में विश्वास करने वाले 'पत्रकार' भी इस विपदा से बचे नहीं है। उनमे से कुछ के नाम लिए जा सकते हैं हैं मगर इससे उनका बचा खुचा 'भविष्य' भी खराब होने की आशंका है, इसलिए फिलहाल छोडिये ।

मतलब यह कि पत्रकारों को कोसने से या उनका मजाक बनाने की बजाय पत्रकार मानने की कसौटी को जाँचा जाना चाहिए। यह सारे धान पंसेरी के भाव तौलने का मसला नहीं है, यह जिन्हें धान मानकर तौला जा रहा है वह धान है भी कि नहीं यह पहचानने का मामला है । चंद नामजद बंदे बंदियां खुद को पत्रकार कहते हैं और उन जैसा काम करते दिखते हैं इसलिए वे पत्रकार नहीं हो जाते। वे चारण और भाट और चीखाओं की किस्म हैं और यह प्रजाति हमेशा रही है। यह समय उलटा पुलटा समय है, इसलिए इन दिनों इनका बसंत आया हुआ लगता है । मगर चांदी के कितने भी बर्क लगा लेने से कीच चन्दन नहीं हो जाता। लिहाजा इन्हें पत्रकार मानकर समूची पत्रकार बिरादरी को धिक्कारा जाना शुरुआत ही गलती से करना होगा।

दो– आज भी पत्रकार हैं और अपनी जान दांव पर लगाकर, कई तो जान गंवाकर भी पत्रकारिता को बचाए हुए हैं !! नवउदारीकरण के हावी होने के बाद से ही प्रेस की भूमिका में बदलाव आया है। उसमे असहमति, विरोध और तार्किक तथ्यपरक विश्लेषण घटे हैं । सत्य की हाजिरी भी घटी है। मोदी काल के दस वर्ष - बाकी सबके साथ प्रेस और मीडिया के लिए बेहद घुटन - जो हुआ है उसके अनुपात में घुटन एक छोटा शब्द है - वाले रहे हैं। दबाव, धमकी, गिरफ्तारी और संस्थान की तालाबंदी से लेकर बात इस सबके बावजूद समर्पण न करने वाले पत्रकारों की हत्याओं तक जा पहुंची है। प्रबीर और गौरी लंकेश का जिक्र पहले किया जा चुका है - मगर वे अकेले नहीं हैं। अनेक हैं उनके जैसे जिनकी चर्चा कम ही हुई है।

'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ जर्नलिस्ट्स' 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स' 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' सहित

अन्य प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दुनिया भर के देशों में प्रेस की दशा का आंकलन कर विश्व स्वतंत्रता सूचकांक तैयार किया जाता है। इनकी रिपोर्ट के अनुसार भारत में पत्रकारों की हत्या और उन पर दमन तालिबानी राज में अफगानिस्तान में पत्रकारों पर हुए दमन से भी ज्यादा है । यही वजह है कि प्रेस स्वतन्त्रता सूचकांक में भारत 2023 में 180 देशों में 161 वे नम्बर पर था । यह अत्यंत खतरनाक स्थिति है, इसलिए और अधिक खतरनाक कि पिछली वर्ष की रैंक 150 से यह एक ही वर्ष में 11 की छलांग लगाकर और नीचे गयी है । जो नीचे गया वह पत्रकार नहीं है- कारपोरेट नियत्रित मीडिया है ।

तीन– पत्रकार और प्रेस/मीडिया के मालिक दो अलग अलग, एकदम अलग अलग, गुणात्मक रूप से भिन्न चीजें हैं । उन्हें गड्ड मड्ड करने पर गलत नतीजे पर पहुंचेंगे ही । बीन मालिक की है। स्वरलिपि वही लिखता है जाहिर है कि बेसुरेपन का दोषी भी वही होगा । पत्रकार या मीडिया पर्सन, भले कितना बड़ा और नामी क्यों नही हो, कवरेज और उसकी प्रस्तुति का निर्णय नहीं करता । यह फैसला वे करते हैं जो पत्रकारिता का 'प' तक नहीं जाते अलबत्ता मुनाफे की भाषा, वर्तनी, व्याकरण और सबसे बढ़कर गणित खूब अच्छी तरह जानते हैं । ऐसा आज से नहीं है, आज कुछ ज्यादा है, मगर ऐसा हमेशा से है । 1886 के शिकागो और अमरीका के कुछ ख़ास अखबारों में मई दिवस के शहीदों की ट्रायल का कवरेज देख लीजिये । एक अखबार है जिसके सेठ ने आज से नहीं जब से उसने पड़ोसी राज्य से अखबार का धंधा शुरू किया है तबसे अपने पत्रकारों को स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन दिया हुआ है कि उनके अखबार में लेफ्ट-वेफ्ट, मजदूर वजदूर, कामरेड वामरेड और लाल झंडा दिखना नहीं चाइये !! अब यह 'नहीं चाइये' थोड़ा और आगे बढ़ गया है ।

लुब्बोलुबाब ये है कि पत्रकार की जो थोड़ी बहुत दिखावटी आजादी थी भी वह खत्म हो चुकी है। अब जो भी है वह धनकुबेर है - मीडिया उसका धंधा है, अख़बार और चैनल धंधा चमकाने, अपने धंधे के अपराध छुपाने और राजनेताओं से साझेदारी कर और अधिक माल कमाने का औजार है। इस वर्ष की शुरुआत में अम्बानी का रिलायंस समूह 72 टीवी चैनल्स का मालिक था, इस वर्ष में यह संख्या 100 होने वाली है। एन डी टी वी के अधिग्रहण के बाद अडानी समूह भी इस धंधे में कूद चुका है । जो इनके स्वामित्व में नहीं हैं उनमे भी इनका पैसा लगा हुआ है और ये उसके सम्पादकीय रुझान। कवरेज और कंटेंट को निर्धारित करते हैं। नतीजा यह है कि सच गायब हो गया है, सच की पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों का जीना मुहाल हो गया है।

चार– इसकी शुरुआत हुयी सम्पादक नाम की संस्था - जो कभी सर्वोपरि हुआ करती थी - के खात्मे के साथ। सम्पादक मतलब खबर के लिए लड़ जाने, संवाददाता और पत्रकार के लिए अड़ जाने वाला कप्तान !! सच्ची घटना है कि एक मुख्यमंत्री ने एक अंग्रेजी अखबार के सम्पादक से कहा था कि वह अपना ब्यूरो चीफ बदल दे। उस सम्पादक ने उस ब्यूरो चीफ की तनखा बढ़ाकर उसे पांच साल और उसी जगह रहने का पत्र जारी कर दिया । अब इस तरह के सम्पादक नहीं रखे जाते। जो रखे जाते हैं वे इस तरह के नहीं हों यह पक्का करने के बाद ही रखे जाते हैं। यह प्रजाति ही लुप्त हो गयी है।

जो सुधी जन नोस्टाल्जिया में जी रहे हैं और राहुल बारपुते, राजेन्द्र माथुर, वर्गीज, कुलदीप नैय्यर, एन राम यहाँ तक कि अरुण शौरी की याद में दुबले हुए जा रहे हैं वे भूल रहे हैं कि इन जैसा होने के लिए बाबू लाभचन्द छजलानी, गोयनका और द हिन्दू समूह जैसे मालिक और नेहरूवियन काल जैसा वातावरण चाहिए होता है। कल्पना कीजिये कि आज यदि राहुल बारपुते या राजेन्द्र माथुर यहाँ तक कि प्रभाष जोशी भी होते तो क्या इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार को कैलाश विजयवर्गीय द्वारा 'अत्यंत प्यार से बिठाए जाने' के मुद्दे पर वह लिख पाते जिससे इंदौर हिल और दहल उठता? नहीं !! उन्हें भी यही लिखना पड़ता कि 'बम भाई ने जो बम बम बोली है वह कांग्रेस के अन्दर परेशानी और घुटन की वजह से बोली है - वो तो उसे निर्वाचन कार्यालय का पता नहीं पता था इसलिए कैलाश भिया तो उसे ठीये तक पहुंचाने के लिए गए थे। 'कैलाश भिया और मेंदोला भिया के जागरूक नागरिकत्व और जरूरतमन्द को राह दिखाने के सत्कृत्य पर दो चार सम्पादकीय भी ठेल दिए जाते । गरज ये कि आज उन आदर्श कहे जाने वालों में से कोई भी सम्पादक होता तो वह भी कोई कद्दू नहीं उखाड़ पाता, या तो दरबार में बैठकर घुइयाँ छील रहा होता या फिर बिना पेंशन या गुजारे भत्ते के अपने घर बैठा होता।

पांच– इस सबके होते हुए भी पत्रकारों का लोहा अभी जंग नहीं खाया, उनकी रीढ़ अभी तनी हुई है। अनेक स्त्री पुरुष, युवक युवतियां ऐसी हैं जिनमे बारपुते, माथुर, नैय्यर, वर्गीज और राम बनने की काबिलियत है; बल्कि सूचना के विस्फोट के इस काल में उनसे भी ज्यादा बेहतर बनने की क्षमता भी है, संभावना भी है। वे यह काम कर भी रहे हैं। अपने अपने संस्थानों की सीमा से बाहर जाकर अभिव्यक्ति के नए माध्यम ढूंढ तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया के अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर, यूट्यूब के सैकड़ों चैनल्स पर वे डटे हुए, वेब मैगजीन्स औरसाइट्स चला रहे हैं। जोखिम उठाकर भी सच सामने ला रहे हैं। कथित मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट्स द्वारा ब्लैकआउट और सेंसर कर देने के बाद भी सारा सच यदि लोगों तक पहुँच रहा है तो इन्ही फुट सोल्जर्स के कंधों पर सवार होकर पहुँच रहा है । ठीक है उने पास चकाचौंध नहीं है सच तक पहुँचने का जज्बा और उसे दर्ज करने का साहस तो है।

जुगनुओं का साथ लेकर राह रोशन कीजिये,
रास्ता सूरज का देखा तो सुबह हो जायेगी !!

हालांकि पत्रकार जुगनू नहीं है, स्वतंत्रता मिले तो यन्मे सूरजों का भी सूरज बनने की काबिलियत है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर इन्हें सराहिये, इनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कीजिये। देश में जो लोकतंत्र बचा है उसमे एक बड़ा योगदान इन पत्रकारों का भी है जिन्हें न कभी निश्चित जीवन जीने लायक वेतन मिला, न काम करने के लिए निरापद वातावरण मिला । मगर तब भी उन्होंने अपनी कलम गिरवी नहीं रखी ।

गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक स्तंभकार हैं।

मानवीय एकता का सार समझाते रवीन्द्रनाथ टैगोर

अपने 80 वर्षीय जीवनकाल में करीब एक हजार कविताएं, 8 उपन्यास, 8 कहानी संग्रह, 2200 से अधिक गीत तथा विभिन्न विषयों पर अनेक लेख लिखने वाले गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीत प्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। वह विश्व की एकमात्र ऐसी महान् शख्सियत हैं, जिनके लिखे गीतों की छाप तीन देशों के राष्ट्रगान में स्पष्ट परिलक्षित है। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन अधिनायक' उन्हीं के द्वारा मूल रूप से बांग्ला भाषा में लिखा गया था जबकि बांग्लादेश का राष्ट्रगान भी उन्हीं के गीत से लिया गया है, जिसमें बांग्लादेश का गुणगान है। इसके अलावा श्रीलंका के राष्ट्रगान का एक हिस्सा भी उनके एक गीत से ही प्रेरित माना गया है। 7 मई 1861 को कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया।

वर्ष 1912 में टैगोर ने अपने बेटे के साथ समुद्री मार्ग से भारत से इंग्लैंड जाते समय खाली समय का सदुपयोग करने के लिए अपने कविता संग्रह 'गीतांजली' का अंग्रेजी अनुवाद शुरू किया था। लंदन में उनके अंग्रेज चित्रकार मित्र विलियम रोथेनस्टाइन ने जब टैगोर के कविता संग्रह गीतांजली का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा तो वह इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपने मित्र कवि डब्ल्यू.बी. यीट्स को गीतांजली के बारे में बताया और पश्चिमी जगत के लेखकों, कवियों, चित्रकारों, चिंतकों से टैगोर का परिचय कराया। 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए। भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में बंग-भंग विरोधी आन्दोलन का बड़ा महत्व रहा है, जिसमें समूचे भारत के देशभक्त नागरिकों ने एकजुट होकर ब्रिटिश सरकार को झुकने पर विवश कर दिया था। उसी दौरान टैगोर ने 1905 में बांग्ला में एक गीत लिखा था,

आमार शोनार बांग्ला,
आमि तोमाए भालोबाशी।
चिरोदिन तोमार आकाश,
तोमार बाताश,
आमार प्राने बजाए बाशी।

इसका अर्थ है कि मेरा सोने जैसा बंगाल, मैं तुमसे प्यार करता हूं। सदैव तुम्हारा आकाश, तुम्हारी वायु, मेरे प्राणों में बांसुरी सी बजाती है। हालांकि जिस समय उन्होंने इस गीत की रचना की थी, उस समय उन्होंने स्वयं कल्पना तक नहीं की होगी कि करीब 66 वर्षों बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आएगा और उनका यही गीत उसका राष्ट्रगान बन जाएगा। उनकी कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने मात्र आठ वर्ष की आयु में अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। मानवता को राष्ट्रवाद से बड़ा मानने वाले गुरूदेव ने कहा था कि जब तक मैं जिंदा हूं, मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

पश्चिम बंगाल से उत्तर प्रदेश को साधना चाहती हैं ममता ?

देश का आम चुनाव जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनविश्वास की चुनौती का बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी तरफ बिखरे विपक्ष की सियासी एकता की अग्निपरीक्षा भी है। आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चाँद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा -पिछड़ा, हिन्दू -मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है।

फिलहाल राजनीति भी प्रयोगवाद का विज्ञान है लिहाजा प्रयोग लाजमी है। चलिए हम उसी सियासी प्रयोगवाद के अध्ययन की तरफ ले चलते हैं। उत्तर प्रदेश राजनीतिक लिहाज से बड़ा प्रयोग क्षेत्र है। 'भाजपा का नारा अबकी बार 400 पार' की असली जमीन उत्तर प्रदेश ही है। इस बार पश्चिम बंगाल की कुशल राजनीतिज्ञ खिलाडी ममता बनर्जी इण्डिया गठबंधन के रास्ते नया प्रयोग करना चाहती हैं। वह भदोही लोकसभा सीट के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में घुसपैठ करना चाहती हैं। उनकी इस सोच को जमीन देने का काम किया है समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने। उन्होंने अपनी सियासी दोस्ती में भदोही जैसी अहम सीट तृणमूल की झोली में डाल दिया है। ममता दीदी इस प्रयोग में कितनी सफल होंगी यह वक्त बताएगा।

ममता बनर्जी इस प्रयोगवाद के जरिए भाषाई राजनीति से अलग हटकर उत्तर भारत के सबसे बड़े हिंदी भाषी क्षेत्र में अपनी उपस्थित दर्ज करना चाहती हैं। अगर इण्डिया गठबंधन के जरिए यह प्रयोग सफल रहा तो वह इसी रास्ते हिंदी भूभाग पर राजनैतिक विस्तारवाद की फसल उगाएंगी। उनके इस सफ़र के सबसे अहम साथी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होंगे। मोदी बनाम विपक्ष की इस सियासी दोस्ती में दीदी को अखलेश यादव जैसा एक मजबूत सियासी दोस्त मिला है। दीदी के लिए उन्होंने बड़ा दिल दिखाया है। सपा यूपी में 63 जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

ममता और अखिलेश यादव के बीच हुए इस समझौते में मीडिया में यह बात भी आयी थीं कि अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल में समाजवादी पार्टी के उपाध्याय किरणमय नंदा के लिए दक्षिण कोलकाता की सीट चाहते थे। क्योंकि यहाँ पूर्वांचल के आजमगढ़, गाजीपुर और चंदौली जिले के मतदाता काफी संख्या में रहते हैं। जिससे सपा वहां अपनी पैठ जमा सकती है। अब यह समझौता हुआ या नहीं कहना मुश्किल है। किरणमय नंदा 35 साल तक विधायक रहे। वह वाममोर्चा सरकार में 30 साल तक मंत्री रहे। वे समाजवादी विचारधारा के पोषक रहे जिसकी वजह से वे मुलायम सिंह यादव के करीब आए और परिवार में सियासी उठापटक के दौरान वे अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े रहे। जिसकी वजह से वह अखिलेश यादव के करीबी बन गए। नंदा की वजह से ही समजवादी पार्टी का अधिवेशन कोलकाता में हुआ था। बंगाल में वह समाजवादी पार्टी को खड़ा करना चाहते हैं।

फिरहाल अखिलेश यादव ने ममता दीदी के लिए बड़ा दिल दिखाया और उन्हें भदोही सीट मिल गई है। हालांकि अखलेश यादव के इस फैसले से पार्टी के बड़े नेता

आंतरिक तौर पर खुश नहीं होंगे। लेकिन भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद जमाल बेग बातचीत के दौरान इस बात से इनकार किया था। फिलहाल बीमारी की वजह से वे अस्पताल में हैं। यहाँ से ममता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे पंडित कमलापति के प्रपौत्र ललितेश पति त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा है।

ललितेशपति का परिवार खानदानी तौर पर कांग्रेस कल्चर से रहा है। ललितेश भी कभी गाँधी परिवार के बेहद करीबी माने जाते रहे। वे कांग्रेस से मिर्जापुर की मडिहान विधानसभा से 2012 में विधायक चुने गए। मिर्जापुर उनके परिवार की सियासी कर्मस्थली रही है। उनके दादा लोकपति त्रिपाठी का यह कर्म क्षेत्र रहा है। ललितेश कभी प्रियंका गाँधी के बेहद खास रहे। लेकिन राजनीति में सबकुछ चलता है। किसी बात से नाराज होकर 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल की शरण में चले गए। अब ममता ने उन्हें भदोही से उम्मीदवार बनाया है।

पश्चिम बंगाल में इण्डिया गठबंधन का कोई मतलब नहीं है वहां कांग्रेस और ममता एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। ममता दीदी भदोही में ललितेश को चुनावी मैदान में उतार कर सोची समझी रणनीति का परिचय दिया है। उन्होंने कांग्रेस को जहाँ जमीन दिखाई है वहीं एक ब्राह्मण चेहरा उतार कर एक नई सियासत का आगाज किया है। ललितेश कभी कांग्रेस के वफादार सिपाही थे। उनका पूरा खानदान कांग्रेस कल्चर का है लेकिन कांग्रेस से जब ठुकराए गए तो दीदी ने गले लगाया। ममता का दांव कांग्रेस के लिए एक सबक भी है।

दूसरी बात ललितेश एक ब्राह्मण चेहरा हैं। ममता भी ब्राह्मण हैं। भदोही में ब्राह्मण वोटर सबसे अधिक हैं। 2014 के बाद ब्राह्मण भाजपा की झोली में चला गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा यानी मोदी और ममता की सियासी दुश्मनी जगजाहिर है। इसलिए उन्होंने पूर्वांचल के सियासी दिग्गज परिवार के युवा उमीदवार को उतार कर भजपा के वोट में सेंधमार अपना सियासी दाँव को सफल करना चाहती हैं। क्योंकि भदोही प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी संसदीय सीट की पड़ोसी सीट है। ममता का चुनावी दाँव अगर सफल हो जाता है तो यह मोदी के लिए भी चुनौती होगी।

दूसरी तरफ भदोही समाजवादी और भजपा की टककर वाली सीट है। यहाँ ब्राह्मण, बिंद के बाद मुस्लिम और यादव अच्छी तादात में हैं। भाजपा बंगाल में ममता पर हिन्दु विरोधी होने का आरोप लगाती है। उन्हें बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और मुस्लिमों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताती है। जिसका लाभ ममता को भदोही में मिलेगा। क्योंकि एमवाई यानी मुस्लिम और यादव अखिलेश यादव का बेहद करीबी है। ममता और अखिलेश यादव के राजनीतिक विचारधारा में समानता है जिसका लाभ तृणमूल को मिलेगा।

भदोही का ब्राह्मण अगर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को किनारे कर ब्रह्मणवाद के लिए शंख बजा दिया तो यहाँ ममता और अखलेश यादव की सियासी दोस्ती गुल खिला सकती है। ममता दीदी को भदोही के रास्ते उत्तर प्रदेश की राजनीति में पाँव फैलाने का अच्छा खासा मार्ग मिल जाएगा। फिलहाल मोदी बनाम विपक्ष की इस लड़ाई में ममता की सियासी गुगली कितनी सफल होती है या समय बताएगा। लेकिन दीदी और अखिलेश की दोस्ती एवं सियासी समझौते को हल्के में लेना भाजपा की बड़ी भूल होगी।

आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की पहल पर 173 युवाओं को मिलेगा रोजगार

आर.डी.पब्लिक स्कूल में आयोजित मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में हुआ चयन

बैतूल। आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले में क्वालिटी एजुकेशन देने के साथ ही बच्चो को काम्पीटेटिव एग्जाम की तैयारी करवाकर मेडीकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में रोजगार की राह दिखाने वाले आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा जिले के युवाओ को रोजगार दिलाने की ठोस पहल कर सामाजिक सरोकार की अनूठी मिशाल पेश की है। आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल की पहल पर आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 20 से अधिक कम्पनियों ने सहभागिता कर निर्धारित मापदण्डों के आधार पर बैतूल जिले के 173 युवाओं का आत्मनिर्भरता का सपना साकार कर विभिन्न पदों पर उनका चयन किया है। जानकारों की माने तो सम्भवतरू बैतूल जिले में यह पहला मौका है जब किसी निजी शैक्षणिक संस्थान ने रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन कर युवाओं के रोजगार का सपना साकार किया है। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में शामिल हुई 20 से अधिक कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ ही चयनित युवाओं ने आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के सामाजिक सरोकार से जुड़ी इस पहल को सराहनीय और अनुकरणीय बताकर उन्हे धन्यवाद ज्ञापित किया है।

आरडी ग्रुप ने की रोजगार दिलाने की ठोस पहल- आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर द्वारा जिले के युवाओं को उनकी दक्षता और क्षमता के मुताबिक रोजगार दिलवाने के लिए ठोस पहल करते हुए आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में अपने स्तर पर मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में 20 से अधिक कम्पनियाँ शामिल हुई। कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा लगभग 814 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। कम्पनियों के विशेषज्ञो द्वारा साक्षात्कार में योग्यता के आधार पर विभिन्न पदों के लिए 173 युवाओ का चयन कर उनके आत्मनिर्भरता के सपने को साकार किया।

ये कम्पनियां हुई शामिल- आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में शारदा फायबर इंडस्ट्री कोसमी, सत्कार टोयटा, एक्रीटास स्मॉल फायनेंस बैंक, जीविसा हर्बल कोसमी, इफको टोकियो, एलआईसी, एक्सिस बैंक, कपूर एण्ड संस, महिन्द्र स्कॉड मोटर्स, मारूति सुजुकी कामठी मोटर्स, एसाफ बैंक, बैतूल बॉयो फ्यूल, अनंत स्पेनिंग मील मण्डीदीप, आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल, एयू स्मॉल बैंक, एसबीआई बैंक सहित अन्य कम्पनियों ने शामिल होकर पोस्ट ग्रेजुएट, ग्रेजुएट, पॉलीटेक्निक, आईटीआई की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर विभिन्न पदों के लिए युवाओं का चयन किया। इस कैम्पस ड्राइव में अधिकतम पैकेज 3 लाख 25 हजार रूपए के ऑफर पर रिक्रूटमेंट हुआ। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में शामिल कम्पनियों के प्रतिनिधियों एवं चयनित युवाओं ने स्थानीय स्तर पर रोजगार की उपलब्धता के लिए की गई पहल के लिए आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल को धन्यवाद ज्ञापित कर भविष्य में भी रिक्रूटमेंट ड्राइव एवं स्किल डेव्हलपमेंट ट्रेनिंग आयोजित करने की अपेक्षा की।

रामायण के अंदर प्रवेश करने पर होता है रहस्यों का प्राकट्यः पं. निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल। रामायण की कथा अलौकिक है, मात्र जो दिखता है वही सत्य नहीं है। रामायण के अंदर प्रवेश करने पर रहस्यों का प्राकट्य होता है। यह सारा संसार भगवान का बनाया हुआ है, इसीलिए इसमें मनुष्य को कैसा रहना चाहिए यह संस्कार भी भगवान ही देते हैं, इसीलिए स्वयं अपने परिजनों के साथ संसार में आकर हमारा चारित्रिक मार्गदर्शन भी करते हैं। जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर के आवास टैगोर वार्ड में राम कथा के अष्टम दिवस मानस महारथी पं.निर्मल कुमार शुक्ल ने राम रावण के चरित्र का एक अलग ही निरूपण किया। उन्होंने कहा कि रावण और राम दोनों एक ही जगह से आए हैं जैसे आजकल रामलीला मंडलियां आती हैं, लेकिन उनके सारे पात्र एक ही गांव के होते

हैं और आपस में संबधी भी होते हैं किन्तु यहां आकर शत्रु मित्र आदि आदि भूमिकाओं का निर्वाह करते हैं। ठीक उसी प्रकार रावण राम दोनों का आगमन एक ही वैकुंठ लोक से हुआ है। रावण कुंभकर्ण दोनों भाई पूर्व काल में वैकुंठ में भगवान के परम प्रिय पहरेदार थे। एक बार सनकादि ऋषियों ने इन्हें राक्षस होने का शाप दे दिया और यह हिरण्यकशिपु तथा हिरण्याक्ष बन कर राक्षस योनि में पैदा हुए। भगवान ने वाराह और नृसिंह अवतार लेकर उन दोनों का उद्धार किया। दूसरी बार दोनों रावण कुंभकर्ण बने, अबकी बार भगवान ने रामावतार लेकर इनका उद्धार किया। जब भगवान राम के हाथों खर दूषण का वध हुआ यह सुनकर रावण को विश्वास हो गया कि परमात्मा का अवतार हो चुका है, मेरे मोक्ष का समय नजदीक आ गया। इसी उद्देश्य से रावण ने सीता जी का हरण किया। रावण को सीता वापस करने के लिए 22 लोगों ने समझाया किंतु उसने किसी की बात नहीं माना। अंत में मंदोदरी ने समझाया कि राम से बैर मत करो सीता के कारण लंका का सर्वनाश हो जाएगा। सूरदास जी ने रामचरितावली में कहा कि रावण मंदोदरी को समझाते हुए कहता है कि प्रिये मैं सीता को नहीं लौटाऊंगा। यह सीता मुझे भवसागर पार होने के लिए नौका के रूप में मिली है अपने हाथों इस नौका का विनाश नहीं करूंगा।

थम गया चुनावी शोर, आज ईवीएम में बंद होगा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आज सोमवार को मतदान दलों को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। आज मंगलवार 7 मई को होने वाले बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा चुनाव के लिए बैतूल जिले की सभी विधानसभा के पोलिंग बूथों के लिए मतदान दल अपने मतदान केंद्रों के लिए आज सोमवार को रवाना हो गए। मंगलवार 7 मई को लोकसभा चुनाव के लिए होने वाली वोटिंग हेतु रवाना करते समय इन मतदान दलों को उपस्थित अधिकारियों ने गाजे-बाजे के साथ मतदान सामग्री के साथ-साथ पुष्प गुच्छ देकर रवाना किया।

जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोले गए स्ट्रांग रूम

मतदान दल, मतदान सामग्री के साथ गंतव्य को हुए रवाना

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतदान दिवस के पूर्व मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की उपस्थिति में बैतूल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित मतदान केन्द्रों के दलों को रवाना किया गया। सोमवार प्रातः 7 बजे से मतदान कर्मी मतदान सामग्री के लिए जेएच कॉलेज परिसर में उपस्थित होना शुरू हो गए थे। एसडीएम राजीव कहार एवं तहसीलदार श्री पाठे द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम खोले गए।

एसडीएम राजीव कहार ने सर्वप्रथम जन प्रतिनिधियों को बंद स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कराया। दल प्रतिनिधियों की संतुष्टि के पश्चात स्ट्रांग रूम खोले गए। इसके बाद दल प्रतिनिधियों को स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम के निरीक्षण के लिए ले जाया गया। उनके अवलोकन के बाद मतदान स्ट्रांग रूम बंद कराए गए। मतदान के लिए ग्राउंड परिसर में सेक्टर के अनुसार व्यवस्थित वितरण व्यवस्था की गई थी। मतदान दलों के लिए परिवहन व्यवस्था के साथ सुव्यवस्थित सुरक्षा बल तैनात थे। मतदान सामग्री में ईवीएम के साथ बैलेट यूनिट और सीयू (कंट्रोल यूनिट) व्हीव्हीपॅट मशीनों को सील करने के लिए ग्रीन पेपर सील, पिंक पेपर सील, 20-20 निविदत्त मतपत्र, मतदान करने वाली निर्वाचन पंजी एवं अन्य प्रपत्र शामिल थे। मतदान दल विभिन्न सेक्टर्स के लिए बस से रवाना हुए। बैतूल के 32 सेक्टर्स में 297 मतदान केन्द्रों के लिए 92 बसे अधिग्रहित कर संबद्ध की गई।

मुलताई में 296 मतदान टीमें पोलिंग बूथ के लिए रवाना

मतदान करेंगे ग्राम महतपुर, गोपलतलाई और चिकली खुर्द के वासी

मुलताई। बैतूल जिले की मुलताई विधानसभा के 296 पोलिंग बूथों के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पटैरया ने हाई स्कूल ग्राउंड से सभी मतदान दलों को गाजे बाजे के साथ पुष्प गुच्छ देकर रवाना किया । 296 पोलिंग बूथों पर पहुंचने के लिए 62 बसें लगाई गई है। 7 बसों को रिजर्व रखा गया है। इसी प्रकार 296 निर्वाचन टीमों के अलावा 34 टीमें आपातकालीन स्थिति के लिए रिजर्व रखी गई है। क्षेत्र के 81 संवेदनशील पोलिंग बूथो के साथ संपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिए विभिन्न बालों के 350 सैनिक तैनात किए गए है जिसमें सशस्त्र पुलिस बल भी शामिल है। मुलताई विधानसभा क्षेत्र के तीन ग्राम महतपुर ,गोपाल तलाई और चिकली खुर्द से चुनाव बहिष्कार के समाचार प्राप्त हुए थे ग्राम महतपुर मे भाजपा कार्यकर्ता एवं सेवानिवृत शिक्षक ने चुनाव प्रचार में गए भाजपा प्रत्याशी डी.डी उइके पर कसम खाकर विकास कार्य न करने 5 साल तक ग्राम में नहीं आने का आरोप लगाते हुए भाजपा के स्थान पर ग्रामीणों द्वारा नोटा का बटन दबाने का कहा गया था। किंतु पूर्व रोजगार निर्माण बोर्ड अध्यक्ष हेमंत विजय राव देशमुख ने ग्रामीणों से संपर्क कर बताया कि यह झूठी भ्रांतियां फैलाई गई थी मैं स्वयं ग्रामीणों से मिला हूं और भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम महतपुर होशियार सिंह शिक्षक सहित संपूर्ण ग्राम भाजपा के पक्ष में मतदान करेगे।

ग्राम गोपलतलाई के ग्रामीणों ने नहर का पानी नहीं मिलने के विरोध में मतदान बहिष्कार की घोषणा कर रखी थी सूचना के बाद ग्राम पहुंची तहसीलदार अनामिका सिंह पंचनामा बनाकर ग्रामीणों को समझाइश दी और हर तरह के प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने मतदान करने का आश्वासन दिया है। ग्राम चिखली ग्राम पंचायत में विभिन्न समस्याओं को लेकर मतदान बहिष्कार का अलाउंस किया जा रहा था जिसके बाद सक्रिय हुए प्रशासन ने समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया जिसके बाद यहां भी 7 मई को मतदान हो सकेगा।

मुलताई विधानसभा के लिए में बने हैं 28 सेक्टर- इधर सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए विभिन्न बल के 350 से अधिक पुलिस कर्मचारी अधिकारी तैनाती की गई है।हाई स्कूल ग्राउंड पर बनाए गए सामग्री वितरण स्थल पर सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पटैरया एवं तहसीलदार अनामिका सिंह के मार्गदर्शन 296 पोलिंग बुथो के लिए 296 टेबल लगाए गए हैं। इसके अलावा रिजर्व 34 पोलिंग टीम अतिरिक्त होगी जो आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रवाना कीजा सकेगी। नोडल अधिकारी भगवानदास कुमरे ने जानकारी देते हुए बताया कि मुलताई विधानसभा क्षेत्र में कुल 330 पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया था जिसमें से 296 पोलिंग पार्टिया प्रातः हाई स्कूल ग्राउंड से रवाना हुई अन्य आपातकालिन सेवाओं के लिए उपलब्ध होगी। विधानसभा मे कुल 28 सेक्टर पर स्वास्थ्य कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। कौनसे मतदान केंद्र का दल कहां रवाना किया जाएगा यह तय करने के लिए हाई स्कूल ग्राउंड पर 3 कोडिंग सेंटर भी बनाया गया है। दूर से आने वाले निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारियों के लिए उत्कृष्ट विद्यालय में व्यवस्था की गई है। परिवहन अधिकारियों के साथ परिवहन व्यवस्था में लगे आरआई रवि पदाम ने बताया कि निर्वाचन टीमों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए 62 बसो की व्यवस्था की गई है इसके अलावा 7 वहांन रिजर्व में रखे गए हैं। मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 में 28 सेक्टर बनाए गए हैं प्रत्येक सेक्टर पर मॉनिटरिंग टीम के लिए फोर व्हीलर की व्यवस्था की गई है इसके अलावा दो फोर व्हीलर रिजर्व में रखे गए हैं। सालबर्डी में एक फोर व्हीलर और एक ट्रैक्टर की व्यवस्था की गई है वही इटावा में एक बोलेरो की व्यवस्था अलग से की गई है।

शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त, लगा लंबा जाम एम्बुलेंस भी फंसी

बैतूल। कोठी बाजार कमानी गेट के पास साप्ताहिक बाजार के दिन हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। आज रविवार को भी शाम 6: 00 बजे लंबा जाम लग गया। सैकड़ो वाहन जाम में फंसे रहे। जाम में एंबुलेंस भी फस गई थी। कड़ी मशक्कत के बाद एंबुलेंस को जाम से बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार शाम 6 बजे जाम लग गया। साप्ताहिक बाजार होने के बावजूद भी कई बड़े वाहन प्रवेश कर गए थे। जिसके कारण जाम की स्थिति निर्मित हो गई। रानीपुर मार्ग पर भी लगभग 1 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई तो इधर गणेश चौक तक सड़क पर वाहनों की कतार लगी थी। लगभग 2 घंटे तक सैकड़ो वहां जाम में फंसे रहे। रानीपुर तरफ से आ रही एंबुलेंस जाम में फस गई है। अधिकतर देखने में आता है कि यहां साप्ताहिक बाजार के दिन कई बार एंबुलेंस से भी जाम में फंस जाती है। यहां यातायात व्यवस्था सुधारने का नाम नहीं ले रही है। क्या पुलिसकर्मी मौजूद होने के बाद भी जाम लग जाता है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने केरपानी मंदिर में की पूजा

शिव महापुराण कथा के लिए जा रहे थे परतवाड़ा

बैतूल। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा आज सोमवार को अचानक केरपानी के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां पर हनुमान जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। पंडित मिश्रा के आगमन की पूर्व में कोई सूचना नहीं थी और जैसे ही उनका केरपानी में आगमन हुआ, वैसे ही लोगों को आश्चर्य हुआ और वे मंदिर की तरफ पहुँचे। बताया जा रहा है कि मंदिर के पुजारी के द्वारा पंडित प्रदीप मिश्रा से विधि-विधान के साथ पूजा करवाई गई और करीब 15 मिनट तक वे मंदिर में ही रूके। पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर से शिव महापुराण कथा वाचन के लिए परतवाड़ा जा रहे थे, इसी दौरान उन्होंने केरपानी में रूककर हनुमानजी की पूजा अर्चना की। उनके आने पर मंदिर में भीड़ लग गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में पंडित मिश्रा के वीडियो बनाए।

सर्रा में मतदान नहीं कर पाई 100 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता देवकी

लकवाग्रस्त दो बुजुर्गों के पास भी नहीं पहुंचा मतदान दल, ग्राम पंचायत के 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो को नहीं मिल पाई घर पर मतदान सुविधा

बैतूल। जिले की मुलताई तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सर्रा में बुजुर्ग, बीमार एवं निशक्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग शासन की घर में मतदान की सुविधा के तहत नहीं कर पाये। जिले की बात करें तो निर्वाचन अधिकारी एवं प्रशासनिक व्यवस्था के चलते दो चरणों में 96 प्रतिशत बुजुर्गों ने घर पर ही मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित की लेकिन बात जब सर्रा ग्राम पंचायत की आती है तो यहां उक्त श्रेणी के मतदाताओं में से एक भी मतदाता का मतदान न कर पाना बीएलओ की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सर्रा के सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी से भी शिकायत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जो बुजुर्ग मतदाता मतदान नहीं कर पाये है उनमें तीन बुजुर्ग लकवाग्रस्त है जिनकी उम्र 81, 71 और 86 वर्ष है, निशक्त बुजुर्गों को सुविधा से वंचित किया गया है। सरपंच श्री सूर्यवंशी का आरोप है कि दबंग एवं आपराधिक प्रवृत्ति के शिक्षक बीएलओ की दबंगई से पूरा गांव परेशान है। उन्होंने आशंका जताई कि बीएलओ 7 मई को होने वाले मतदान को भी प्रभावित कर सकते है इसी के तहत उन्होंने कलेक्टर से उचित कार्रवाई की मांग की है।

मतदान केन्द्रों तक पहुंचने में असमर्थ है बुजुर्ग- सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत में 22 बुजुर्ग ऐसे है जो या तो अस्वस्थ है या जिनकी उम्र इतनी अधिक है कि वे मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंच पाएंगे। ऐसे में आशंका यह है कि 22 मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित रह जाएंगे। उक्त 22 बुजुर्गों में एक दर्जन बुजुर्ग निर्वाचन आयोग के मापदंडों के अनुसार घर पर ही मतदान के पात्र थे लेकिन बीएलओ की लापरवाही से मतदान नहीं कर पाये। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सर्रा में बीएलओ धर्मराज पिता गौरीशंकर गढ़ेकर द्वारा निर्वाचन आयोग के नियमों एवं दिशा निर्देशों का मखौल उड़ाया जा रहा है। बीएलओ धर्मराज ने अपनी मनमानी करते हुए उक्त पात्र मतदाताओं का मतदान घर पर नहीं होने दिया। बीएलओ ग्राम पंचायत सर्रा का ही निवासी है तथा इनकी पोस्टिंग भी गृह ग्राम में ही है। पूर्व में भी बीएलओ धर्मराज पंचायत चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में अपनी दबंगई दिखाते हुए चुनाव को प्रभावित करने की हरकतें कर चुके है। इसी से आशंकित होकर सरपंच द्वारा शिकायत कर बीएलओ के अन्यत्र स्थानांतरण एवं चुनाव प्रक्रिया निर्विरोध एवं निष्पक्ष कराने की मांग की है।

बीएलओ का कहना मात्र तीन बुजुर्ग 85 प्लस, मतदान केन्द्र पर करेंगे मतदान- बीएलओ धर्मराज की माने तो उनके अधिकार क्षेत्र में मात्र तीन ही बुजुर्ग 85 प्लस है। जिनमें से एक मतदाता सरस्वती बाई का निधन हो चुका है जबकि देवकी बाई जिनकी उम्र 100 वर्ष है उन्होंने घर पर मतदान करने से मना कर दिया। ऐसे में बीएलओ ने देवकी बाई एवं एक अन्य बुजुर्ग की पावती लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के पास जमा कराई। इधर सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने जिन 22 निशक्त एवं अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाता की सूची कलेक्टर को सौंपी है उनमें सखाराम पिता सालकराम 87 वर्ष, जगन पिता शोभाचंद 91 वर्ष, कपूरचंद पिता मौजी नरवरे 86 वर्ष, सालकराम पिता शोभाचंद 94 वर्ष, पूरन पिता रुपचंद 89 वर्ष, देवकी पति लालचंद 100 वर्ष, पन्नालाल पिता भिल्लू 88 वर्ष, गया पति भूमा 85 वर्ष शामिल है। इसके अलावा तीन बुजुर्ग इस सूची में ऐसे भी है जो लकवाग्रस्त है और चलने में असमर्थ है। सरपंच का आरोप है कि मतदान दल निशक्त एवं बुजुर्ग मतदाताओं के बीच पहुंचा हीं नहीं। बीएलओ द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रमित करने के भी आरोप लगाएं गए है। बहरहाल ग्राम पंचायत सर्रा में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के साथ जो बुजुर्ग एवं निशक्त घर पर मतदान नहीं कर पाये उनके लिए सुविधाजनक मतदान की व्यवस्था बनाए जाने एवं बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की मांग सरपंच ने कलेक्टर से की है।

इनका कहना-

मतदान दलों द्वारा घर-घर फार्म पहुंचाए गए। अकेले बीएलओ के नियंत्रण में यह प्रक्रिया नहीं है। बुजुर्गों एवं निशक्तों के मतदान के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, ग्रामीण, प्रशासन की टीम मौजूद रहती है। निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर, निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए मतदाताओं के बीच पहुंचे, उनके द्वारा मतदान केन्द्र पर ही मतदान करने की इच्छा जाहिर की गई, इसकी पावती भी है। सूची में तीन बुजुर्ग मतदाता 85 प्लस के थे, उनमें एक का निधन हो चुका है।

- धर्मराज गढ़ेकर, बीएलओ सर्रा

होशंगाबाद की हलचल
संजीव डे राय

क्या होती है आचार संहिता..

कहा जाता है कि सरकारी तंत्र में आचार संहिता एक पावर होता है इसमें नेतागिरी नही होती है, चुनाव के दौरान अस्त्र के रूप में सरकारी अधिकारी कर्मचारियों के हाथों में यह पावर दिया जाता है। इस पावर से ऐसे सारे सरकारी काम हो सकते है जो नेतागिरी के कारण नही हो पा रहे थे लेकिन यह अधिकारी की इच्छा शक्ति पर यह निर्भर करता है उसका कैसे उपयोग करें या नहीं करे.. लेकिन यह भी हाथी के दांत है, भला पानी में रहकर भला मगरमच्छों से कौन बैर लेगा यह एक सोचने समझने का विषय होता है।

शिक्षा की दुकान, मोटी कमाई का रास्ता..

नया शिक्षा सत्र शुरू होकर भी बंद हो गया एडमिशन हो गया, कॉपी किताबे खरीद ली गई। निजी स्कूलों की रणनीति के तहत बस अब उसके लूट की सिर्फ चर्चाएं ही रह गई। किताबे स्कूल की मर्जी, फीस स्कूल की मर्जी, ड्रेस स्कूल की मर्जी, शिक्षकों को वेतन स्कूल की मर्जी, स्कूल में छुट्टियां स्कूल की मर्जी, शिक्षकों का पी एफ स्कूल की मर्जी.. सबसे जोरदार बात इसमें यह है कि सीबीएसई और आईपीएस मान्यता में शिक्षा विभाग कुछ भी नही कर सकता। इस पूरी दुकानदारी में यदि किसी का कुछ जाता है तो वह जनता की जेब से जा रहा है।

रेत माफियाओं पर सख्ती या फिर ढील..?

रेत चोरी कोई अब नई बात नही पर जिस तरह से रेत चोरी हो रही है वह समझ से परे है। कभी बहुत सख्ती होती है तो कभी बेखौफ सड़क पर ट्राली ओर डम्फर दिखाई देने लगते है। कृषि कार्यो के लिए बनाई गई ट्रेक्टर ट्रॉली का इसमें सही उपयोग होता है। प्रदेश में आचार संहिता जरुर लगी है लेकिन रेत के व्यापारियों में इसे लेकर कोई खौफ नहीं, खुले आम पुलिस और जिला प्रशासन को मुंह चिढ़ाते ये अवैध कारोबारी उनके सामने से निकल जाते है जिन में रेत भारी होती है। कौन से नियम के तहत नगर की सड़कों पर ये दौड़ते है यह उन्हें संरक्षण देने वाले ही बता सकते हैं।

ऑडिटोरियम निर्माण की कहानी का आधार फिर तो जालसाजी ही होगी..?

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बजरिया स्कूल का दौरा कर वहां ऑडिटोरियम निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने की बात कहकर सनसनी फैला दी, अब सवाल यह है कि शिक्षाविद पंडित रामलाल शर्मा स्कूल तो पूरी तरह नगरपालिका स्वामित्व की जमीन पर अतिक्रमण कर चलाया जा रहा, फिर नियमानुसार नगरपालिका की इस जमीन का ना तो विधिवत सीमांकन हैं, और तो ओर अतिक्रमण कर्ता द्वारा फंसाया गया जालसाजी वाले दस्तावेजों के आधार पर जमीन खरीदी फरोख्त वाले कागजों के कारण वैधानिक रूप में नजूल शीट नं 43 प्लांट नंबर 15/1 सरकारी दस्तावेजों में लीज नवीनीकृत भी नहीं.. सरकारी दस्तावेज में इस नंबर वाले प्लाट के आगे का पन्ना फट गया का रिमार्क.. ऐसे में क्या ऑडिटोरियम निर्माण की कहानी का आधार जालसाजी रहेगी.. ???

और अब चलते चलते...

अचानक सभी होर्डिंग हट गए..!

नगरपालिका के एक नेताजी के जन्मदिन का जलसा उनकी मित्रमंडली ने मनाया, कलेक्टर बंगले के आगे बिजली के खंबों का उपयोग कर लगाएं गए दूर तक बड़े बड़े होर्डिंग्स मानों आचार संहिता के दौरान प्रशासन को मुंह चढ़ाना हो, हालांकि यहां चुनाव सम्पन्न हो चुके फिर भी आचार संहिता लागू तो है। शायद कारण यही रहा हो संबंधित बड़े नेताओं की तस्वीर के साथ लगी नेताजी की तस्वीर वाले होर्डिंग दूसरे दिन ऐसे गायब मिले जैसे गधे के....

तीसरी बार मोदी जी के आगमन पर ऐतिहासिक धारानगरी में उत्सवी और उल्लासी बयार...

धार लिखेगा नई ईबारत, देश और दुनिया के लोकप्रिय नेता का स्वागत करने को हर कोई आतुर...

(धार से राजेश शर्मा की खास रिपोर्ट)

बाबा धारनाथ की पावन धरा ऐतिहासिक राजा भोज की धारानगरी की बयार इन दिनों मोदीमय है.. हर कोई आतुर है एक झलक पाने को.. क्या आम क्या खास हर किसी को इंतजार है 7 मई का.. और हो भी क्यों नही मोदी जी तीसरी बार जो इस पावन धरा पर आ रहे है.. एक ही स्वर यहां की फिजाओं में गुंजायमान है राष्ट्र गौरव मोदी जी का धार की माटी से अनुराग... देश और दुनिया के पटल पर मोदी के क्रेज से भला धार के बाशिंदे कैसे अछूते रह सकते.. आलम यह है कि सबकी जुबां पर मोदी- मोदी है.. प्रचंड गर्मी की तपिश पर मालवा- निमाड़ और वनांचल वासियों की मोदीजी के प्रति दीवानगी भारी है.. बीते कई दिनों से क्या धार वरन् संपूर्ण अंचल के केंद्र मोदी और सिर्फ मोदी है.... धार की गलियों- चौपाटी और चौपाल में ना लोकसभा चुनाव की चर्चा है ना सियासी किस्से. फिलवक्त एक ही चर्चा - एक ही गूंज मोदी - मोदी ...

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयार है धार की धरा ...

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयार है धार की धरा .और हो भी क्यों नही देश के लोकप्रिय और वैश्विक लीडर पीएम मोदी का राजा भोज की ऐतिहासिक नगरी में जो आगमन हो रहा है... क्या धार वरन् संपूर्ण अंचल में उत्सव और उल्लासी छटा है.. हर कोई निहारना चाहता है देश और दुनिया के लोकप्रिय नेता को.. इस ऐतिहासिक क्षण का सभी को इंतजार है... पीएम के रूप में दूसरी बार आ रहे मोदी जी के स्वागत में कोई कसर नही छोड़ना चाहते है .. लोकसभा चुनाव की बेला में पीएम का आगमन सियासी हलकों और सियासत के लिहाज से खासा मायने रखता है.... मोदी जी का आगमन संपूर्ण मालवा और निमाड़ अंचल में भाजपाइयों में नयी ऊर्जा का संचार पैदा करेगा.. और हो भी क्यों नही आखिर हर देशवासियों की तरह धारानगरी के बाशिंदे भी मोदीजी की एक झलक देखने के लिए बेताब जो है..

धारानगरी में कोई पीएम दूसरी बार आ रहा है

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर नजर डाले तो पहली बार यह अवसर आ रहा है जब प्रधानमंत्री रहते कोई पीएम दूसरी बार धारानगरी में आ रहा है । मोदीजी 2019 में धार में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। ठीक पांच साल बाद यानी 7 मई को प्रधामंत्री का दौरा तय हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से चप्पे-चप्पे पर कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। खासकर डीआरपी लाइन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर को लेकर यहां तीन हेलीपैड के अतिरिक्त एक अन्य हेलीपैड भी बनाया गया है,इस तरह यहां पर कुल चार हेलीपैड तैयार किए गये है। वहीं मांडू रोड पर सीएम के लिए भी एक हेलीपैड तैयार किया गया है। धार- महू लोकसभा क्षेत्र के पीजी कॉलेज ग्राउंड, धार में 7 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे.

प्रधानमंत्री का दौरा सियासत और सियासी दृष्टि से ऊर्जा और उत्साह का शंखनाद करेगा..

गौरतलब है कि धार जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। धार-महू लोकसभा के साथ ही अलीराजपुर, झाबुआ के आदिवासी वोट बैंक को देखते हुए यह एक बड़ी सभा है। इस लोकसभा चुनाव के तहत अब तक यहां पर कोई भी बड़ी रैली या सभा नहीं हुई है। इस चुनाव में यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री स्वयं राजाभोज की नगरी में आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी हो चुकी है। सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री धार पहुंचेंगे। हेलीकाप्टर से उतरने के बाद प्रधानमंत्री इंदौर रोड पीजी कालेज में सभा को संबोधित करेंगे। धार जिले ही नहीं बल्कि झाबुआ जिले की 3 विधानसभा से भी मोदी जी को सुनने लोग यहां पहुंचेंगे। बड़ी संख्या में लोगों के आगमन को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जिला न्यायालय में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

न्यायाधीश रक्तदान शिविर में 68 युनिट रक्त एकत्रित

सीहोर (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 05 मई को जिला न्यायालय परिसर सीहोर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 68 युनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान एवं पुण्य कार्य है , जो किसी अन्य व्यक्ति के प्राणों की रक्षा करता है। इससे बड़ी कोई मानव सेवा नही हो सकती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए तथा अपने परिचितों तथा आसपास के लोगो को इसके लाभों से अवगत कराकर रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। रक्तदान शिविर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री एमके वर्मा, न्यायाधीश एवं जिला रजिस्ट्रार श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, उपाध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री सचिन तिवारी, रोटरी क्लब श्री राजेश काशिव उपस्थित थे।

कक्षा 10वीं में फेल होने पर घर से भागी 2 छात्रा

एक बुआ और दूसरी मौसी के घर गई पिपरिया, दोनों बेस्ट फ्रेंड

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एमपी बोर्ड की कक्षा दसवीं में फेल और सप्लीमेंट्री आने पर 2 नाबालिग छात्रा घर से भागकर भोपाल और पिपरिया पहुंच गई। दोनों छात्रा बेस्ट फ्रेंड है। परीक्षा में एक फेल हुई और दूसरी को 2 विषय में सप्लीमेंट्री आई। रिज़ल्ट के बाद दोनों को उनके माता पिता ने डांटा। जिससे नाराज होकर दोनों घर से चुपचाप निकल गई। जिन्हें पथरौटा पुलिस ने साइबर की मदद से खोजबीन कर ढूंढ निकाला। एक छात्रा को भोपाल बुआ और दूसरी को पिपरिया से मौसी के घर से खोजा। दोनों को भोपाल से लाने के बाद उनके बयान हुए। घर से जाने का कारण पूछा एक ने बताया कि मैं दसवीं में फेल हुई। जिस पर पिता ने डांटा था। दूसरी ने भी कहा कि 2 विषय में सप्लीमेंट्री आने पर मम्मी-पापा ने चिल्लाया था। पथरौटा थाना प्रभारी संजीव पंवार ने बताया दोनों छात्राएं 30 अप्रैल को घर से लापता हुई। परिजन ने गुमशुदगी दर्ज कराई। दोनों नाबालिकों को खोजने के लिये एक टीम बनाई। जिसमें एएसआई रेखा मुनिया को जिम्मेदारी सौंपी गई। परिजन और रिश्तेदारों से संपर्क किया। जिससे एक का भोपाल और दूसरी का पिपरिया में मौसी के घर होने की जानकारी मिली। एएसआई ने अपनी टीम के साथ दोनों नाबालिक छात्राओं को भोपाल एवं पिपरिया से बरामद कर लिया।

एडीपीओ की परीक्षा में फरीन खान ने 78 वीं रेंक प्राप्त की

सुबह सवेरे सोहागपुर।

मप्र लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में आयोजित सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी परीक्षा 2021 का परीक्षा परिणाम हाल ही में घोषित हुआ। जिसमें सोहागपुर एडीपीओ अनीशा खान की भतीजी

फरीन खान ने पहले ही प्रयास में 78 वीं रेंक हासिल करके परीक्षा उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि 2021 में सागर विश्वविद्यालय से एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण हुई थी। इस उपलब्धि पर खान परिवार में प्रसन्नता का माहौल बना गया है। फरीन खान की इस उपलब्धि पर सभी शुभचिंतकों एवं परिजनों ने शुभकामनाएं दी हैं।

समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण 12मई को

सुबह सवेरे सोहागपुर।

समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर के शंकर-विवेकानंद संन्यास आश्रम पलकमति - माँ नर्मदा संगम पर जगद्गुरु आदि शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण 12मई को आयोजित किया गया है।श्री शंकर-विवेकानंद सन्यास आश्रम एवं स्वामी विवेकानंद भावधारा सेवा समिति के स्वामी ईशानद ने बताया कि शंकर विवेकानंद संन्यास आश्रम में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भावधारा पर आधारित पूजन की तिथि (12 मई 2024, वैशाख शुक्ल 5) को सम्पन्न होगा। इसके पूर्व 11 मई दिन शनिवार प्रातः 8 बजे से अखंड रामचरितमानस पाठ एवं 12 मई दिन रविवार प्रातः 8 बजे से अखंड रामचरितमानस पाठ का समापन होगा। इसी तारतम्य में पूजन, रूद्राभिषेक ,प्रतिभा सम्मान समारोह , कन्या पूजन के अंत में प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया है। शंकर-विवेकानंद संन्यास आश्रम भावधारा सेवा समिति सोहागपुर ने नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर अनेक जज एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान महान दान है । रक्तदान से अनेक गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने हर स्वस्थ व्यक्ति से रक्तदान की अपील की। इस कार्यक्रम में तृतीय जिला न्यायाधीश श्री अभिलाष जैन न्यायाधीश, श्रीमती स्वप्नश्री सिंह जिला रजिस्ट्रार/न्यायाधीश अध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री राधेश्याम यादव, सचिव श्री राजेश वर्मा, श्री जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्तागण एवं अनेक पैरालीगल वालेन्टियर्स उपस्थित रहें।

नीट परीक्षा के लिए कड़ी तलाशी से गुजरे परीक्षार्थी : छात्राओं के एरिंग्स, हेयरपिन, लोंग, अंगुठी उतरवाई, हाथ-पैर में बंधे धागे काटे, 53 परीक्षार्थी रहे अब्सेंट

नर्मदापुरम (निप्र)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से देश की सबसे बड़ी मेडिकल परीक्षा नीट यूजी आज रविवार को हुई। दोपहर 2 से 5.30 बजे तक शहर के तीन केन्द्र शांतिनिकेतन कॉन्वट स्कूल, सरवाइट स्कूल और सेमीरिटन हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुई। तीनों केन्द्रों पर 1291 में से 1238 विद्यार्थियों ने नीट की एग्जाम दी। शहर सहित पिपरिया, केसला, सुकतवा,इटारसी, सहित आसपास के गांव से विद्यार्थी परीक्षा देने आए। परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों को कड़ी तलाशी से गुजरना पड़ा। परीक्षा सेंटर्स पर छात्र-छात्राओं से जूते, एरिंग्स, नाक की बाली, हेयरपिन दिए गए। हाथ-पैर में बंधे धागे काटे गए। ऐसे में कुछ छात्राओं को नाक लोंग, एरिंग्स उतरवाने के लिए सुनार की दुकान तक जाना पड़ा। यही नहीं, कुछ सेंटर्स पर 40डिग्री से अधिक तापमान में छात्र-छात्राओं को चैकिंग के नाम पर बाहर खड़े रहना पड़ा। परीक्षार्थियों के साथ आएं माता-पिता, भाई बहनें रिश्तेदार सेंटर्स के बाहर बैठ इंतजार कर रहे है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट 2024 की परीक्षा नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर 3 सेंटर पर आयोजित की गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होगी है। सुबह 11 बजे से विद्यार्थियों की सेंटर्स में एंट्री शुरू हुई। केंद्र पर अभ्यर्थी दस्तावेज की जांच, बायोमेट्रिक उपस्थिति, थर्मल स्कैनिंग और फ्रिस्किंग से संबंधित प्रक्रिया से विद्यार्थियों को गुजरना पड़ा। 1.30 बजे बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया।

3 सेंटर्स पर 1291 परीक्षार्थी

शांति निकेतन स्कूल सेंटर सुपरीटेंडेंट प्रशांत पटेल ने बताया नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर सरवाइव कान्वेंट स्कूल, सेमरिटर्न हायर सेकेंडरी स्कूल और शांतिनिकेतन कान्वेंट स्कूल को केंद्र बनाया गया। 1291 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। नर्मदापुरम, शाहगंज, सीहोर, नसरुल्लागंज से विद्यार्थी परीक्षा देने से आएं है।

मदिरा के अवैध विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध की गई कार्यवाही

हरदा (निप्र)। जिला आबकारी अधिकारी श्री लाल ने बताया कि बुधवार को आबकारी विभाग के दल ने मदिरा के अवैध विक्रय, संग्रहण व परिवहन की रोकथाम के लिये कार्यवाही की। आबकारी विभाग के दल ने वृत हरदा के टंकी मोहल्ला, पीलियाखाल, दूध डेरी मोहल्ला, सरदार मोहल्ला, वार्ड नम्बर 32 में दबिश देकर कुल 41 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 960 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर 6 प्रकरण दर्ज किये। जप्त किये मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 104200 रूपये है।

मदिरा के अवैध परिवहन में लिप्त 2 वाहन राजसात

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने मंगलवार को जिले में मदिरा के अवैध परिवहन में लिप्त 2 वाहनों को राजसात करने के आदेश जारी किए है। जिला आबकारी अधिकारी श्री रितेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी अधिनियम के तहत थाना हंडिया द्वारा जप्त वाहन मारूति सुजुकी कार क्रमांक एमपी 09 सीसी 4237 तथा थाना सिविल लाइन हरदा द्वारा जप्त वाहन मोटर सायकल क्रमांक एमपी 47 एम जे 1278 जप्त की गई थी। इन दोनों वाहनों को राजसात करने के आदेश कलेक्टर श्री सिंह द्वारा दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की हीट स्ट्रोक एडवाइजरी स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध हैं लू के उपचार की सभी व्यवस्थाएं

सीहोर(निप्र)।तापमान में बढ़ोत्तरी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उपस्वास्थ्य केंद्र तक की संस्थाओं को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

हीट स्ट्रोक के प्रारंभिक प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं।

गंभीर और घातक हो सकता है हीट स्ट्रोक : हीट स्ट्रोक होने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे हो सकती है या एकाएक भी आ सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

लक्षणों की जल्द पहचान करके बीमारी की गंभीरता को किया जा सकता है कम : तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना।

म.प्र.में 9 मई तक हीट वेव

जबलपुर-छिंदवाड़ा समेत 20 शहरों में बूंदाबांदी का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन यानी, 9 मई तक हीट वेव, बारिश और बादल छाने का अलर्ट है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव चलेगी, जबकि पूर्वी हिस्से में बूंदाबांदी और बादल रहेंगे। सोमवार को जबलपुर, छिंदवाड़ा समेत 20 शहरों में बूंदाबांदी हो सकती है। इससे पहले प्रदेश के 7 शहरों में दिन का टेम्प्रेचर 42 डिग्री के पार पहुंच गया। सतना में पारा 43.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, कुल 27 शहर ऐसे रहे, जहां तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सीजन में पहली बार प्रदेश में इतनी गर्मी पड़ी।

इन शहरों में इतना रहा पारा

बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में पारा 41.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में 40.9 डिग्री, भोपाल में 40.3 डिग्री, इंदौर में 38.4 डिग्री और उज्जैन में पारा 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सोमवार को भी भीष्ण गर्मी का असर रहने का अनुमान जताया है।

टीकमगढ़ में टेम्प्रेचर 42 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, रीवा में 42.2 डिग्री, सीधी में 42.4 डिग्री, खजुराहो में 42.6 डिग्री, मलाजखंड में 42.8 डिग्री रहा।

सिवनी, खरगोन, मंडला, दमोह, नौगांव और उमरिया में 41 डिग्री या इससे अधिक तापमान दर्ज किया गया। छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, गुना, रायसेन और सागर भी खूब तपे।

इसलिए प्रदेश में ऐसा मौसम

भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया, अभी ईरान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन भी है। इन सबके चलते बादल भी छा रहे हैं। 6 मई को कुछ जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। इसके लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

7 मई को पश्चिमी मध्यप्रदेश में हीट वेव का अलर्ट है। पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवा भी चल सकती है।

8-9 मई को भी गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

प्रदेश में अगले 3 दिन ऐसा मौसम

7 मई: उज्जैन, रतलाम, नीमच, मंदसौर, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चलेगी। छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया, अनूपपुर, रीवा में तेज हवा, हल्की बारिश और बादल वाला मौसम रहेगा।

8 मई: मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा में हीट वेव का असर रहेगा। वहीं, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया में बादल रहेंगे।

9 मई: इंदौर, रतलाम, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर जिलों में गरज-चमक की स्थिति रहेगी।

रवि प्रदोष पर बड़वाले महादेव मंदिर भोपाल में विशेष अनुष्ठान

बाबा बटेश्वर का आम रस से अभिषेक, सफ़ेद चंदन का किया लेपन

भोपाल (नप्र)। भोपाल शहर के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में रवि प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर रविवार को बाबा बटेश्वर की विशेष पूजा अर्चना की गई। भीषण गर्मी के चलते मंदिर में भगवान के श्रृंगार, भोग और अभिषेक में परिवर्तन किया गया।

इस पावन दिन पर भगवान का आम रस से अभिषेक किया गया। गर्मी से राहत के लिए बाबा को सफेद चंदन का लेपन किया गया। इसके बाद शीतल भोग लगाया। जिसमें श्रीखंड, लस्सी, छाछ, दही भगवान को अर्पित किया गया। समिति के सदस्य संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया कि इस दौरान बाबा बटेश्वर के रजत मुखोटे पर सफेद चंदन का लेपन लगाया गया, मोगरे से बना साफा पहनाया गया। साथ ही गर्भ गृह में विभिन्न प्रकार के लगभग 2 क्विंटल फूलों की रंगोली बनाई गई। रात्रि में भजन संध्या कर महाआरती की गई। अवसर पर समिति के अभिषेक लाला, आकाश अग्रवाल, अनुराग सोनी, ऐश्वर्या अग्रवाल सहित सभी सदस्य मौजूद रहे।

बहन की शादी में 5 भाइयों की ट्रैक्टर पलटने से मौत

मरने वालों की उम्र 10 से 18 साल, तीन सगे तो दो चाचा के लड़के थे

- **सीएम डॉ. यादव ने मृतक बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रु. की सहायता की घोषणा की**

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में सोमवार सुबह 11.30 बजे ट्रैक्टर पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की उम्र 10 से 18 साल के बीच है। 10 और 12 साल के दो बच्चे घायल हुए हैं। घटना चरगंवा थाना के तिनेटा गांव की है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया है।

एएसपी सूर्यकांत शर्मा के मुताबिक, सभी बच्चे आपस में रिश्तेदार हैं। एक ही गांव तिनेटा देवरी के रहने वाले हैं। वे ट्रैक्टर से पानी का टैंकर लेने जा रहे थे। ट्रैक्टर को 18 साल का धर्मेंद्र ठाकुर (गोंड) चला रहा था। उसकी बहन की आज बारात आना थी। घर से 500 मीटर दूर ही निकले, तभी ट्रैक्टर अनबैलेंस होकर सड़क से उतरकर खेत में पलट गया। बताया जाता है कि हादसे के बाद शादी को आगे बढ़ा दिया गया है।

प्रशासन की ओर से फौरी तौर पर मृतकों के परिजन को 50-50 हजार रुपए और घायलों को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतक बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रु. की सहायता राशि देने की बात कही है। रतलाम दौरे के दौरान उन्होंने मदद की घोषणा की।

हादसे में तीन सगे भाईयों के साथ ही चाचा के दो बेटों की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार घर पर बहन की बारात आनी थी, सभी मिलकर शादी की तैयारी कर रहे थे। पिता रामप्रसाद ने बड़े बेटे से कहा कि गांव में पानी की किल्लत है, दूसरे गांव से टैंकर लेकर आना होगा। पिता की बात सुनते ही धर्मेन्द्र गांव से तीन किलोमीटर दूर देवरी टैंकर लेने के लिए जाने लगा। धर्मेन्द्र को जाते देख उसके दोनों छोटे भाई राजवीर और लकी भी जाने की जिद करने लगे तो धर्मेन्द्र ने उन्हें भी ट्रैक्टर में बैठा लिया। इस बीच धर्मेंद्र के चाचा के दो बेटे अनूप, देवेन्द्र के साथ ही रिश्तेदारी में आए दलपत और विकास भी बैठ गए। गांव से 500 मीटर दूर आगे घाट पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में पांच बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे दूर जा गिरे। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने काफी प्रयास कर ट्रैक्टर में दबे बच्चों को बाहर निकाला।

हादसे में इनकी मौत

धर्मेंद्र (18) पिता राम प्रसाद ठाकुर
देवेंद्र (15) पिता मोहन बरकड़े
राजवीर (13) पिता राम प्रसाद ठाकुर
अनूप (12) पिता गोविंद बरकड़े
लकी (10) पिता राम प्रसाद ठाकुर

ये हुए घायल

दलपत (12) पिता निरंजन गौंड
विकास (10) पिता राम कुमार उइके

मंत्री राकेश सिंह भी पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना पर मंत्री राकेश सिंह अस्पताल पहुंचे। वे घायलों से मिले। उन्होंने डॉक्टरों से हादसे की जानकारी ली। घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिए। साथ ही मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी दी जा जा रही है।

सीएम डॉ.मोहन यादव ने दुख जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा-

तिनेटा देवरी में ट्रैक्टर पलटने से 5 बच्चों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोक संतप्त परिजनों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं। हादसे में जो 2 बच्चे घायल हुए हैं। उनके उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। बाबा महाकाल से सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। शासन द्वारा मृतक बच्चों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए और घायलों के लिए 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

जिला पंचायत सदस्य अपनी गाड़ी में लेकर आए बच्चों को

ग्राम पंचायत तिनेटा में सड़क हादसे के बाद जिला पंचायत सदस्य राम कुमार सैयाम मौके पर पहुंचे थे। एक घंटे तक एंबुलेंस तक एंबुलेंस नहीं आई तो रामकुमार अपनी ही गाड़ी में घायलों को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे और इलाज के लिए भर्ती करवाया। रामकुमार ने बताया कि मृतकों में धर्मेंद्र, राजवीर और लकी सगे भाई थे, जिनकी बड़ी बहन की शादी थी। धूमा से आज शाम बारात आनी थी। घटना की सूचना धूमा दी गई है, जिसके बाद अब शादी का तारीख टाल दी गई है। इस घटना में धर्मेंद्र के चाचा के बेटे अनूप और देवेंद्र की भी मौत हो गई है। इसके अलावा दलपत और विकास जो कि शादी में समारोह में शामिल होने आए थे, वह घायल हुए है जिन्हें कि इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती किया गया है।

पानी की है गांव में समस्या

जिला पंचायत सदस्य रामकुमार का कहना है कि तिनेटा गांव में पानी का एकमात्र साधन कुंआ है जो कि गर्मी में सूख जाता है। पंचायत की तरफ से एक नलकूप है, जिससे कि पूरा गांव पानी लेता है। जिस किसी के घर पर शादी समारोह होता है, तो उसे गांव के बाहर से पानी की व्यवस्था करवानी होती है।

एडीएम पहुंची घायलों को देखने

पांच बच्चों की मौत के बाद कलेक्टर दीपक सक्सेना ने एडीएम मिशा सिंह और एसडीएम पंकज श्रीवास्तव को मौके पर भेजा। मिशा सिंह ने मेडिकल कालेज पहुंचकर घायलों बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। एडीएम के मुताबिक जो बच्चा ट्रेक्टर चला रहा था, उसका नाम धर्मेन्द्र सिंह था। तेज रफ्तार में ट्रेक्टर होने के कारण यह हादसा हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

बम्पर वोटिंग के लिए सोना-चांदी खरीदी में छूट

रतलाम जिले में उंगली पर अमिट स्याही का निशान दिखाने पर सर्राफा व्यापारी देंगे छूट

भोपाल (नप्र)। तीसरे चरण में अधिकतम वोटिंग के लिए कलेक्टरों और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की कोशिशों के बीच रतलाम के सर्राफा व्यापारी सामने आए हैं। कलेक्टर रतलाम के साथ हुई बैठक के बाद यहां के सर्राफा कारोबारियों ने कहा है कि जो भी व्यक्ति उंगली पर मतदान की अमिट स्याही का निशान दिखाएगा उसे सोना चांदी खरीदने पर छूट दी जाएगी। इसके अलावा रतलाम में निजी अस्पतालों की जांच में और रसोई गैस सिलेंडर पर 25 रुपए की छूट देने की बात कही गई है। इधर स्टेट बैंक ने भी रविवार को राजधानी भोपाल में हक जताओ और ईवीएम बटन दबाओ कार रैली का आयोजन किया।

रतलाम में 13 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर अधिकतम वोटिंग के लिए रतलाम कलेक्टर राजेश बाथम ने रतलाम शहर के विभिन्न व्यापारी संगठनों के साथ बैठक की है। कलेक्टर बाथम की पहल पर स्वर्ण नगरी रतलाम के स्वर्ण व्यापारियों के सर्राफा एसोसिएशन द्वारा घोषणा की गई कि रतलाम शहर की सर्राफा दुकान पर आने वाला ग्राहक अपनी उंगली पर अमिट स्याही का निशान दिखाएगा तो उसे सोने तथा चांदी के आभूषण की खरीदी पर छूट दी जाएगी।

बैठक में सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष झमक भरघट ने कहा कि रतलाम कलेक्टर बाथम की पहल पर सर्राफा एसोसिएशन के व्यापारी, ज्वेलर्स अपनी दुकान पर आने वाले हर ग्राहक को मतदान के बाद अमिट स्याही लगी उंगली दिखाने पर सोने के जेवर पर हर 10 ग्राम की खरीदी पर मूल्य का आधा प्रतिशत छूट प्रदान करेंगे जो आज की स्थिति में लगभग 350 रुपए होती है। इसी प्रकार चांदी के आभूषण की खरीदी पर ग्राहक 1 प्रतिशत की छूट पाएगा जो आज की स्थिति में लगभग 600 रुपए है, यह छूट 13 मई से लेकर आगामी 20 दिनों तक दी जाएगी। झमक भरगट ने बताया कि सर्राफा

एसोसिएशन ने मतदान करने वालों को खरीदी में छूट देने के लिए सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

रतलाम सर्राफा एसोसिएशन के सचिव भावेश डोशी ने बताया कि उनके एसोसिएशन के व्यापारी भी उंगली पर अमिट स्याही का निशान बताने वाले प्रत्येक ग्राहक को सोने जेवर की खरीदी पर हर 10 ग्राम पर आधे प्रतिशत की छूट तथा चांदी के आभूषण की खरीदी पर हर किलोग्राम पर मूल्य का एक प्रतिशत लगभग 800 रुपए की छूट ग्राहक को प्रदान करेंगे।

अरबिंदो अस्पताल देगा 30 से 50 प्रतिशत तक की छूट

अरविंदो अस्पताल रतलाम के प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल पर अधिकाधिक मतदान के उद्देश्य में उनका अस्पताल भी सहभागी बन रहा है। अपनी उंगली पर अमिट स्याही का निशान दिखाने वाले व्यक्ति को उनके अस्पताल में विभिन्न जांचों में 30 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके अलावा ओपीडी भी फ्री रहेगी, यह छूट 13 मई से 19 मई तक रहेगी।

एलपीजी डीलर्स एसोसिएशन देगा 25 रुपए की छूट

एलपीजी डीलर एसोसिएशन के अमित अग्रवाल ने बताया कि मतदान करने वाले ग्राहकों को एक माह तक सुरक्षा पाईप (नली) पर प्रति नग 25 रुपए की छूट प्रदान की जाएगी।

केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा प्रत्येक दुकान पर फ्लेक्स

केमिस्ट एसोसिएशन के जय छजलानी ने बताया कि उनके संगठन की लगभग 1200 केमिस्ट शॉप है, सभी शॉप पर मतदाता जागरूकता के फ्लेक्स उनके एसोसिएशन की पहल पर लगाए जा रहे हैं। केमिस्ट प्रवीण गुप्ता ने कहा कि शहर के 20 मतदान केन्द्रों पर उनके द्वारा ओआरएस घोल के पैकेट रखे जाएंगे।

साड़ी की दुकान पर भी मिलेगी छूट

बैठक में रतलाम क्लाथ मार्केट स्थित अशोक साड़ी सेंटर के संचालक अंकुश जैन द्वारा बताया गया कि अधिकाधिक मतदान के उद्देश्य से उनके द्वारा ग्राहक को उनकी दुकान पर साड़ी व सूट की खरीदी पर 10 प्रतिशत छूट पर दी जाएगी, यह छूट 13 मई से 15 मई तक मिलेगी।

दोस्तों को सुपारी देकर कराई पत्नी की हत्या

अफेयर में बन रही थी अड़चन; कहानी गढ़ी- लुटेरों ने मार डाला, मेरा सिर फोड़ा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में लूट के लिए की गई महिला की हत्या की कहानी मनगढ़ंत निकली। हत्या का आरोपी पति ही निकला। उसने अपने तीन दोस्तों को 60 हजार रुपए की सुपारी देकर पत्नी की हत्या कराई। 20 हजार रुपए की रकम वह एडवांस दे भी चुका था।

पुलिस ने रेशमा चौधरी (28) की हत्या के आरोप में पति शुभम चौधरी, पति के दोस्त दोस्त प्रहलाद ठाकुर, अनुराग कुशवाहा और शिबू चौधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के अफेयर के बारे में पत्नी को पता लग गया था। वह तीन महीने से पत्नी को मारने का प्लान बना रहा था।

एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने रविवार को खुलासा करते हुए बताया कि शुभम के किसी और महिला से अवैध संबंध की जानकारी लगने पर पति-पत्नी में झगड़ा होने लगा था। शुभम के सिर पर जो चोट लगी थी, वो प्लान का हिस्सा थी। उसके दोस्त ने ही उसका सिर फोड़ा था। घटना से पहले आरोपी अपने डेढ़ साल के बच्चे को उठाकर बोलेरो से बाहर निकल आया था। उसके साथियों ने रेशमा की गला दबाकर हत्या की थी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने बयान बदल रहा था। उसकी इसी बात पर शक हुआ। उसने बताया था कि वह दमोह नाका होते हुए पत्नी को मायके मदर टेरेसा नगर छोड़ने जा रहा था। कृषि उपज मंडी के पास जाम मिलने पर बोलेरो भोलानगर की ओर मोड़ दी। पुलिस ने जब उसकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस की तो वह इस रूट पर नहीं मिला।

पीड़िता ने पहचानने से किया इनकार; सीआईडी ने 7 पेज में पेश किए थे सबूत

एमपी के चर्चित हनी ट्रैप केस के आरोपी बरी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में 2019 के चर्चित हनी ट्रैप केस से जुड़े मानव तस्करी के मामले के तीन आरोपी बरी हो गए। पीड़ित महिला ने कोर्ट में तीनों आरोपी आरती दयाल, श्वेता जैन और अभिषेक सिंह ठाकुर को पहचानने से इनकार कर दिया था।

आरोपी अभिषेक के वकील तारिक सिद्दीकी ने बताया कि सीआईडी कोर्ट में मानव तस्करी संबंध सबूत पेश नहीं कर सकी। जबकि जिस महिला को मानव तस्करी का शिकार बताया जा रहा था उसने कोर्ट में आरोपियों को पहचानने से ही इनकार कर दिया। ऐसे में कोर्ट ने हमारी दलीलों को सुनने के बाद अभिषेक, आरती दयाल और श्वेता जैन को भी बरी कर दिया है। फैसला आरोपी सोमवार को एडीजे पल्लवी द्विवेदी की कोर्ट ने सुनाया है।

11 गवाह, 7 पेज में पेश किए थे सबूत- हनी ट्रैप केस की जांच के दौरान स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को एक युवती की खरीद फरोख्त की जानकारी मिली थी। जिसके बाद सीआईडी भोपाल ने पीड़ित महिला की शिकायत पर मानव तस्करी का एक अन्य केस दर्ज किया था। 27 दिसंबर 2019 को 3 आरोपी अभिषेक, आरती और श्वेता के खिलाफ चालान पेश किया, और पीड़िता के साथ 11 गवाहों की सूची पेश की

गई। सीआईडी को फरियादी ने 7 पेज का बयान सबूत के तौर पर दिया था। इसमें उसने सिर्फ एक बार श्वेता जैन का जिक्र किया। कहा कि उसे श्वेता और बरखा ने बताया था कि श्वेता जैन और आरती दयाल के संपर्क और भी बड़े लोगों से है।

एफआईआर दर्ज कराने वाले का बयान- महिला की मानव तस्करी का मामला दर्ज कराने वाले फरियादी ने पुलिस को बताया था कि अभिषेक, आरती, श्वेता जैन सागर और श्वेता जैन, बरखा सोनी व अन्य लोगों ने हमारी गरीबी और मजबूरी का फायदा उठाया, और मेरी बेटी व अन्य लड़कियों का शारीरिक व मानसिक शोषण कराया है। इस मामले में सीआईडी ने जिन 10 अन्य लोगों के बयान दर्ज किए थे उनमें से किसी में भी श्वेता जैन का जिक्र नहीं किया था।

बयानों पर कायम नहीं रही पीड़िता- जांच एजेंसी को 29 सितंबर 2019 को पीड़िता ने बयान दिया था कि वह नरसिंहगढ़ जिले के एक गांव की रहने वाली है। उसकी परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह ग्रेजुएशन करने भोपाल आई थी। उसने एक इंस्टीट्यूट में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था।

दीवार से टकराई कार, दो छात्रों की मौत

ग्वालियर में दोस्त के बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे, मृतकों में एक पूर्व डिप्टी कमिश्नर का बेटा

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में झांसी हाईवे पर तेज रफ्तार एसयूवी कार बेकाबू होकर बैक्रेंट की दीवार से टकरा गई। इसमें कार में सवार दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो की हालत गंभीर है। ये सभी दोस्त की बर्थडे पार्टी सेलिब्रेशन के लिए रिसॉर्ट गए थे। वहां से लौटते समय हादसा हो गया।

घटना रविवार-सोमवार दरमियानी रात 3 बजे की है। मृतकों में एक वारिद श्रीवास्तव नगर निगम के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शिशिर श्रीवास्तव का बेटा है। वे अभी पीएचई में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। मृतक में दूसरा छात्र ऋषभ जाट है, जिसके पिता एमआर हैं। दोनों ही मृतक अपने घर के इकलौते चिराग थे। पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

दीवार से टकराकर कार के परखच्चे उड़े- पूर्व डिप्टी कमिश्नर का बेटा वारिद श्रीवास्तव (21) अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए हाइवे स्थित एक रिसोर्ट गया था। उसके साथ दोस्त ऋषभ जाट, जय यादव व मोहित चौहान भी आए थे। रात

वारिद श्रीवास्तव

ऋषभ जाट

तीन बजे के करीब वे घर के लिए रवाना हुए। कार मोहित चला रहा था। कार स्टार्ट करते ही उसने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। जब उनकी कार शिवपुरी लिंक रोड पहुंची तो कार अनियंत्रित होकर वीनस बैंक्वेट में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार ऋषभ और वारिद की मौके पर मौत हो गई। मोहित और जय गंभीर घायल हो गए।

पास ही चेकिंग पॉइंट से पुलिस ने तत्काल की मदद- जहां हादसा हुआ वहां से 50 कदम की दूरी पर शहर का सबसे बड़ा चेकिंग पॉइंट है। हादसा होते ही पुलिस जवान वहां पहुंचे और कार में पड़े घायलों को अस्पताल पहुंचाया। कार पर मध्यप्रदेश शासन लिखा हुआ था। पुलिस जवानों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने वारिद व ऋषभ को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के दो कारण: स्पीड ज्यादा या टायर बर्स्ट हुआ- पुलिस का मानना है कि हादसा संभवतः दो कारण से हुआ होगा। कार की स्पीड तेज होने पर ड्राइवर वाहन को नियंत्रण में नहीं रख सका होगा या मोड़ पर उससे वाहन मुड़ा नहीं होगा। दूसरा स्पीड में वाहन का टायर बर्स्ट हो गया और कार अनियंत्रित हो गई हो। पुलिस को कार से कुछ शराब की बोतलें भी मिली है। मोहित और जय की हालत में सुधार के बाद पुलिस उनकी जांच कराएगी।

वारिद एमबीए कर रहा था, ऋषभ बी काम कर चुका था- वारिद श्रीवास्तव ने इसी साल बीकॉम पास करने के बाद एमबीए में दाखिला लिया था। उसके पिता ने बताया कि जीवाजी यूनिवर्सिटी से बेटे को एमबीए करा रहे थे, लेकिन बेटा का कहना था कि वह अपना बिजनेस शुरू करना चाहता है। ऋषभ के पिता भगवान सिंह जाट ने बताया कि बेटे ने बी काम पास किया था। बेटे को आगे की पढ़ाई कराना थी।

एएसपी बोले- जांच के बाद आगे करेंगे कार्रवाई- एएसपी शियाज केएम का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।